शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 168 | गुवाहाटी | शनिवार, 18 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ट्रेनी महिला डॉक्टर मामले में फैसला आज पेज 2
असम भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ेगा : गजेंद्र सिंह शेखावत पेज 3
कांग्रेस अपने शासन में किसानों के हित में किए कोई तीन कार्य बता दें, हम... पेज 5
ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : बोपन्ना झांग मिश्रित युगल के दूसरे दौर में पेज 7

असम भाजपा के नए अध्यक्ष बने दिलीप सैकिया

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम में अपने संगठन को और मजबूत करने के लिए दरंग-उदालगुड़ी से लोकसभा सदस्य दिलीप सैकिया को अपना नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति राज्य की आगामी राजनीतिक रणनीतियों और संगठन को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। लोकसभा सदस्य दिलीप सैकिया शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई के नए अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस चुनाव के निर्वाचन अधिकारी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सैकिया को आधिकारिक नियुक्ति पत्र सौंपा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा एवं निवर्तमान प्रदेश पार्टी अध्यक्ष भावेश कालिता मौजूद थे। सैकिया वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हैं। वह पहले आरएसएस से संबद्ध छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में पदों पर रह चुके हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र (पहले यह मंगलदै नाम से जाना जाता था) के दूसरी बार के सांसद सैकिया प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र प्रत्याशी थे। उन्होंने गुरुवार शाम को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके लिए 20 प्रस्तावक और समर्थक थे, जिनमें निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष कालिता, मुख्यमंत्री शर्मा और असम विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

सिर्फ भाजपा में ही साधारण सदस्य बन सकता है पार्टी अध्यक्ष : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें एक साधारण सदस्य भी समर्पित सेवा के माध्यम से पार्टी अध्यक्ष के पद तक पहुंच सकता है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जैसी पार्टियों में वरिष्ठ पद अक्सर पारिवारिक संबंधों या आशीर्वाद पर निर्भर करते हैं, वहीं भाजपा कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को महत्व देती है। शर्मा ने लोकसभा सदस्य दिलीप सैकिया के निर्विरोध पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष चुने जाने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हमारे लिए शुभ है लेकिन इसलिए नहीं कि हमें नया अध्यक्ष मिल रहा है, बल्कि आज फिर से यह साबित हो गया है कि हमारी पार्टी में शीर्ष पद पर पहुंचने के लिए किसी को *राजपरिवार* से -शेष पृष्ठ दो पर

एडवांटेज असम 2.0 की तैयारी को लेकर मुख्यमंत्री ने की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज दिसपुर स्थित जनता भवन के लोक सेवा भवन में आगामी एडवांटेज असम 2.0 शीर्षक निवेश और बुनियादी ढांचा सम्मेलन की तैयारियों को लेकर कैबिनेट मंत्रियों और उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भूटान के प्रधानमंत्री और भारत सरकार के कई केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों से सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बजट, प्रचार-प्रसार, शहर के सौंदर्यीकरण, सड़कों और बुनियादी ढांचे के विकास, पर्यटन और अन्य प्रमुख मुद्दों पर उठाए गए कदमों की जानकारी ली। बैठक में -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में आई कमी : सीएम शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि साल के अंत और नए साल के मौके पर त्योहारों के दौरान राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में पिछले साल की तुलना में 16 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सीएम शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 24 दिसंबर 2024 से 15 जनवरी 2025 के बीच, पिछले साल इसी अवधि के दौरान 195 मौतों की तुलना में 163 मौतें हुईं। यह 16.41 प्रतिशत की कमी को दिखाता है। हालांकि यह सुधार हमारे लिए अच्छा है, लेकिन 163 लोगों की जान जाना हमारे लिए चिंता का विषय है। हमें हर एक मौत के मामले को रोकने और सुरक्षित सड़क व्यवस्था पर काम करने की जरूरत है। इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सख्त कानूनों के चलते पिछले साल के आखिरी दिन केवल 32 सड़क दुर्घटनाएं हुईं और प्रशासन का लक्ष्य आने वाले दिनों में सड़क दुर्घटना को कम करना है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रत्यक्ष और परोक्ष साधनों के अनुमान से कार्य की परीक्षा करें।
- आचार्य चाणक्य

धुबड़ी : गुणोत्सव के दौरान स्कूल में कुप्रबंधन को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन

धुबड़ी। धुबड़ी जिले के जरुआरचर पब्लिक हाई स्कूल में शुक्रवार को अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन हुआ, जब 1,200 से अधिक छात्रों ने गुणोत्सव परीक्षा के कुप्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की तथा कथित लापरवाही और अनियमितताओं के लिए प्रधानाध्यापक अयूब अली के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। यह विरोध अपर्याप्त बैठने की व्यवस्था के कारण हुआ था, जिसके कारण परीक्षा के दौरान छह छात्रों को एक ही बेंच पर बैठना पड़ा। स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

रुपकोंवर की याद में पूरे राज्य में मनाया गया शिल्पी दिवस

हर असमिया के दिलों में बसते हैं ज्योति प्रसाद अग्रवाल : डॉ शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। समाज में परिवर्तन की धुरी के रूप में पहचाने जाने वाले कलाकार रुपकोंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की आज पुण्यतिथि है। पूरे राज्य में इस दिन को शिल्पी दिवस के रूप में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इस कलाकार को नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रशार को सोशल मीडिया के जरिए एक संदेश पोस्ट कर कहा है कि असमवासियों के आत्मीय कलाकार रूपकोंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल का योगदान पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ता रहा है और पीढ़ियों तक चलता रहेगा। वह हर असमिया के दिलों में बसते हैं। पहले असमिया फिल्म के निर्माण के साथ, एक नए सांस्कृतिक युग की शुरुआत ने हमें समृद्ध किया है। जहां भी सुंदरता के पुजारी ने अपना हाथ रखा, वहां सुंदरता का एक फूल खिल गया। आज समाज परिवर्तन के कलाकार की पुण्यतिथि के अवसर पर मेरा हार्दिक नमन। डॉ शर्मा ने कहा है कि हमारी सरकार रूपकोंवर के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती रही है और भविष्य में भी अभिनव कदम उठाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 1951 में आज ही के दिन इस नाश्वर संसार को छोड़ने वाले रुपकोंवर को आज स्मृति दिवस के अवसर पर उनकी जन्मस्थली शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में लोगों ने उनके रचित गीत गाकर याद किया। तेजपुर साहित्य -शेष पृष्ठ दो पर

अब भगोड़ों की खैर नहीं, कानून को सख्ती से लागू किया जाएगा : शाह

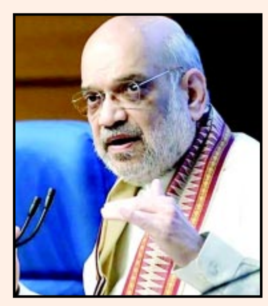

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी गंभीर घटनाओं में शामिल उन अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाना चाहिए, जो लंबे समय से देश से फरार हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इन मामलों में आरोपी की अनुपस्थिति में ही अदालतों को कार्रवाई करनी चाहिए। शाह ने मध्य प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में यह मुद्दा उठाया, जिसमें नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार की यह जिम्मेदारी है कि गरीबों को उचित कानूनी सहायता मिले और इसके लिए एक मजबूत कानूनी सहायता प्रणाली स्थापित की जाए। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पुणे : दो अलग अलग सड़क हादसों में 12 की मौत

मुंबई (हि.स.)। पुणे जिले में शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत हो गई है और छह लोग घायल हो गए हैं। सभी छह घायलों का इलाज पुणे के शासकीय अस्पताल में हो रहा है। मुख्यमंत्री ने इन घटनाओं में मृतकों के परिजनों को प्रत्येक पांच-पांच -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा और एनसी कभी एक नहीं हो सकते : फारूक

अजमेर (हि.स)। ख्वाजा गरीब नवाज सूफी संत मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर चादर चढ़ाने आए जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी एक नहीं हो सकते। वो नफरत फैलाते हैं और हम उनके साथ नहीं जा सकते। अब्दुल्ला ने कहा कि वे ख्वाजा गरीब नवाज सूफी संत मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर दुआ करने आए -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली के लिए भाजपा ने खोला वादों का पिटारा

महिलाओं को 2500 प्रतिमाह एलपीजी सिलेंडर पर 500 की सब्सिडी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र भाग-1 लॉन्च किया। जेपी नड्डा ने कहा कि आज जो बिंदु मैं रखने वाला हूं, ये विकसित दिल्ली का आधार रखने वाले हैं। दिल्ली को किस तरह से आगे बढ़ाया जाए, उन बिंदुओं पर आज हम चर्चा करेंगे। मेनिफेस्टो पहले भी आते थे, लेकिन आप भी भूल जाते थे और राजनीतिक पार्टियां भी भूल जाती थी कि उन्होंने क्या कहा था। लेकिन ये राजनीतिक संस्कृति का परिवर्तन है कि आज मेनिफेस्टो *संकल्प पत्र* में परिवर्तित हो गया है। संकल्प से सिद्धि की ओर जाने का मंत्र भी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया है। महिलाओं को हर महीने 2500 -शेष पृष्ठ दो पर

31 से शुरू होगा संसद का बजट सत्र

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी के बीच होने की संभावना है। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। संसद सत्र के दौरान एक फरवरी को वित्त मंत्री आम बजट पेश करेंगी। परंपरा के अनुरूप सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक से होगी, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। सूत्रों ने -शेष पृष्ठ दो पर

रूसी सेना में लड़ रहे 12 भारतीयों की गई जान, 16 लापता : केंद्र

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध कई भारतीयों के लिए काल बन गया है। दरअसल, रूसी सेना में शामिल होकर यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ रहे 12 भारतीयों की जान चली गई है। इसके अलावा 16 लोग लापता हैं। इस बात की जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई। दरअसल, भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि रूस ने भारत को सूचित किया है कि रूसी सेना में सेवारत 16 भारतीय लापता हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूसी सेना में काम करने वाले 12 भारतीयों की अब तक -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने मनु भाकर, गुकेश, हरमनप्रीत सिंह और प्रवीण कुमार को खेल रत्न से किया सम्मानित

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को दोहरी ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर, विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश, पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालिंपिक स्वर्ण विजेता हाई जंपर प्रवीण कुमार को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने आज राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में खेल और साहसिक पुरस्कार 2024 प्रदान किए। पुरस्कारों में 4 खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार-2024, 5 खिलाड़ियों को द्रोणाचार्य पुरस्कार-2024, 34 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार-2024, 4 खिलाड़ियों को तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार-2023, एक राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार-2024 और एक मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी-2024 शामिल हैं। राष्ट्रपति ने फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार-2024 और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय को मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी-2024 प्रदान की। राष्ट्रपति ने पैरा-शूटिंग में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम आज स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित करेंगे

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 10 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के 50 हजार से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट कहा कि स्वामित्व योजना के तहत देशभर के ग्रामीण इलाकों के मेरे भाई-बहनों को उनकी जमीन का मालिकाना हक मिले, इसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में कल दोपहर करीब 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपत्ति मालिकों को लाखों संपत्ति कार्ड सौंपने का सौभाग्य मिलेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा स्वामित्व योजना की शुरुआत गांवों में बसे हुए क्षेत्रों में घरों के मालिक परिवारों को सर्वेक्षण से संबंधित आधुनिकतम ड्रोन तकनीक के माध्यम से *अधिकारों का रिकॉर्ड* -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कोलकाता रेप-मर्डर केस

ट्रेनी महिला डॉक्टर मामले में फैसला आज

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कथित कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में बहुप्रतीक्षित फैसला शनिवार को सुनाया जाएगा। आरजी कर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुए इस घटना ने पूरे देश को शर्मसार कर दिया था। इस घटना के कारण देश भर में आक्रोश फैल गया था और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुए थे। वहीं, इस मामले में मुकदमा दर्ज होने के 57 दिन बाद कल इसका फैसला आने वाला है। नागरिक स्वयंसेवक के रूप में कार्यरत संजय रॉय पर पिछले साल 9 अगस्त को उत्तर कोलकाता के सरकारी अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर पर अपराध करने का आरोप लगाया गया था। मुकदमा दर्ज होने के 57 दिन बाद सियालदह अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बन दास की अदालत में शनिवार को फैसला सुनाया जाएगा। आरोपी संजय रॉय को 10 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। अस्पताल के सेमिनार हॉल से महिला ट्रेनी डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। महिला के शरीर पर कई तरह के चोट के निशान मिले थे। वहीं, शव मिलने के एक दिन बाद 10 अगस्त को पुलिस ने कथित आरोपी संजय रॉय को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में कलकत्ता हाईकोर्ट ने मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को ट्रांसफर कर दिया और एजेंसी ने आरोपी के लिए मृत्युदंड की मांग की है। लेडी डॉक्टर से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले की बंद कमरे में सुनवाई 12 नवंबर को शुरू हुई और 50 गवाहों से पूछताछ की गई। वहीं, आरोपी संजय रॉय के मुकदमे की सुनवाई 9 जनवरी को पूरी हुई थी। पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि अपराध में अन्य लोग भी शामिल थे। उन्हें उम्मीद है कि अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने मामले की आगे जांच की मांग करते हुए अदालत में एक आवेदन भी दायर किया है। इस अपराध के बाद कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों ने पीड़िता के लिए न्याय और सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाने की मांग करते हुए लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन किया।

स्पेन जा रहे पाकिस्तान के 40 से अधिक लोग डूबे

इस्लामाबाद। पाकिस्तानियों के साथ एक बड़ा हादसा हो गया है। अफ्रीकी तट के निकट एक नाव पलटने से 40 से अधिक पाकिस्तानियों के डूबने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, स्पेन पहुंचने का प्रयास कर रहे 80 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव के मोरक्को के पास पलट जाने से 40 से अधिक पाकिस्तानियों के मारे जाने की आशंका है। प्रवासी अधिकार समूह वॉकिंग बॉर्डर्स ने गुरुवार को कहा कि 50 प्रवासी डूब गए होंगे। मोरक्को के अधिकारियों ने एक दिन पहले एक नाव से 36 लोगों को बचाया था जो 66 पाकिस्तानियों सहित 86 प्रवासियों को लेकर 2 जनवरी को मॉरिटानिया से रवाना हुई थी। वॉकिंग बॉर्डर्स की सीईओ हेलेना मालेनो ने एक्स को बताया कि डूबने वालों में से 44 लोग पाकिस्तान से थे। उन्होंने 13 दिन तक कष्ट सहते हुए क्रॉसिंग पर बिताया और कोई भी उन्हें बचाने नहीं आया।

इजराइल और हमास के बीच हुआ समझौता बंधकों की रिहाई के लिए रास्ता साफ

तेल अबीब। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि इजराइल और हमास के बीच बंधकों की रिहाई के लिए एक समझौता हो गया है। यह समझौता दोनों पक्षों के बीच तनाव के बावजूद हुआ है और इसे एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि समझौते की मुख्य शर्तों पर सहमति बन गई है और इसके बारे में राजनीतिक-सुरक्षा कैबिनेट की बैठक जल्द होगी, ताकि इसे मंजूरी दी जा सके। इससे पहले गुरुवार को नेतन्याहू के कार्यालय ने आरोप लगाया था कि हमास ने अंतिम समय में कुछ रियायतें प्राप्त करने के लिए समझौते के प्रमुख बिंदुओं से मुकरने की कोशिश की थी। हालांकि, हमास ने इन आरोपों का खंडन किया और कहा कि वे सभी शर्तों के पालन के लिए तैयार हैं।

सड़क दुर्घटना में पुलिस जवान की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के बालीपाड़ा में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से पुलिस जवान अजीत पाल की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना उस समय हुई जब अजीत पाल बालीपाड़ा से चारदुआर की ओर जा रहे थे। मृतक जवान का घर चारदुआर में है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की पहचान के लिए प्रयास जारी हैं।

विज्ञापनों से पूसीरे का राजस्व बढ़ा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने अप्रैल से दिसंबर, 2024 की अवधि के दौरान विभिन्न अभिनव विज्ञापन पहलों के माध्यम से गैर-किराया सृजन करने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। गैर-परिचालन स्रोतों से आय को अनुकूलित करने पर जोर देते हुए पूसीरे ने लक्षित रणनीतियों को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया, जिससे उक्त अवधि के दौरान स्टेशन परिसरों और ट्रेनों में विज्ञापन से लगभग 3.5 करोड़ रुपए की कुल आय हुई है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने शुक्रवार को बताया है कि गुवाहाटी और कामाख्या जैसे प्रमुख स्टेशनों पर डिजिटल विज्ञापनों ने व्यवसायों को अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचने के लिए एक मंच प्रदान किया है, साथ ही आकर्षक विषय-वस्तु के साथ यात्री अनुभव को बेहतर बनाया है। इसके अतिरिक्त, सिलीगुड़ी सिटी बुकिंग ऑफिस और न्यू जलपाईगुड़ी एवं कटिहार स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया जैसे स्थानों पर रणनीतिक रूप से विज्ञापन लगाए गए हैं, जिससे राजस्व में अतिरिक्त बढ़ोतरी हुई है। शर्मा ने बताया कि इस अवधि के दौरान आउटडोर होर्डिंग्स से लगभग 1.82 करोड़ रुपए की आय हुई है।

गीतानगर शतदल साहित्य सभा ने मनाया शिल्पी दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। गीतानगर शतदल साहित्य सभा के बाकरी प्रांगण में शुक्रवार को 73वें शिल्पी दिवस के अवसर पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत सभा की वर्तमान अध्यक्ष पदुमी पाठक द्वारा असम साहित्य सभा का ध्वजारोहण कर की गई। शहीदों को श्रद्धांजलि सभा की सांस्कृतिक सचिव वंदना हजारिका ने दी और रूपकुंवर ज्योतिप्रसाद अग्रवाला की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान सभा की सदस्य अंजू खाउंड, सचिव स्वप्ना देवी शर्मा, उपाध्यक्ष दंडीराम काकती और सह-सचिव धनजीत पाठक भी उपस्थित रहे। अध्यक्ष पदुमी पाठक ने ज्योतिप्रसाद अग्रवाला के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा रचित *गीता मात* का गायन किया।

राजीव भवन में शिल्पी दिवस आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। स्वातंत्रता सेनानी और शिल्पी रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजीव भवन में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में असम प्रदेश कांग्रेस के संगठनात्मक महासचिव बिपुल गोगोई ने ज्योतिप्रसाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके स्वर्णिम कार्यों को याद किया। कार्यक्रम का आरंभ उपाध्यक्ष गुनकांत गोगोई ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिल्पी दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष वेदब्रत बोरा ने कहा कि ज्योतिप्रसाद अगरवाला ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान क्रांतिकारियों को प्रेरित करने के लिए जो गीत रचे, वे आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने इन गीतों को जनता के बीच लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया। वेदब्रत बोरा ने कहा कि ज्योतिप्रसाद कांग्रेस के तिरंगे को लेकर गांधीजी के आह्वान का समर्थन करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। कार्यक्रम में असम प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव रामन्ना बरुवा, राजेश जोशी, अरुण तिवारी समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता नेता उपस्थित रहे।

बांग्लादेश के रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में लगी आग

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में कॉक्स बाजार के टेकनाफ के मोचनी रोहिंग्या शिविर में गुरुवार रात भीषण आग लग गई। इस दौरान एक बच्चे की मौत हो गई और 100 से अधिक कच्चे-पक्के घर राख हो गए। चटगांव से 150 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित कॉक्स बाजार में लगभग 10 लाख रोहिंग्या शरणार्थी रहते हैं। इसे दुनिया की सबसे बड़ी रोहिंग्या शरणार्थी बस्ती कहा जाता है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार 16वीं सशस्त्र पुलिस बटालियन (एपीबीएन) के अतिरिक्त उप महानिरीक्षक एमडी कौसर सिकदर ने रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग लगने से बच्चे की मौत की पुष्टि की।

No.TDB/15th FC/106/2024-25/ *Date 16/01/2025*

INVITATION FOR BIDS

The Block Development Officer, Tamulpur Development Block, Dist- Tamulpur, BTC, Assam invites hid affixing non-refundable Court fee Stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and Twenty Five Paisa) only from the approved and eligible contractor Class-I (A, B, C), Class-II or Class-III category registered with Assam PWD (R&B)/ Irrigation Deptt. for the following work under P&RD Deptt. under I5th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25. Tender Box will be available for dropping tender in the Office of the Block Development Officer, Tamulpur Development Block from 17/01/2025 up to 2.00 PM on 10/02/2025 (if any holidays or Bandh falls then the subsequent day) and the tender box will be opened at the same day on 3.00 PM in same office.

Sl. No.	Name of work	Tender value (In Lakh)	Time of Completion	Tender Cost & Earnest Money & Date offender
1	Construction of Community Toilet at Poschim Jhargaon (Aliguri) Brahma Mandir Compound.	Rs. 10,47,960.00	180 days from the date of issue of final work order	1. Tender cost @ 0.03% of A/A amount to be pledged by Bank draft in favour of Principal Secretary. BTC. 2. Earnest money @ 2% (In case of ST/SC 1%) of estimated value to be pledged by demand draft/FDR in favour of B.D.O Tamulpur Development Block 3. Bidders arc specifically requested to inspect the field and study the working condition before submitting their offer/bid.

The NIT may be seen at Officer of the BDO, Tamulpur Development Block, Tamulpur, Dist- Tamulpur

Sd/-
Block Development Officer,
Tamulpur Dev. Block, Tamulpur

IPR(BTC)/C/2024-25/1314

पृष्ठ एक का शेष

असम भाजपा के...

के उपाध्यक्ष नुमोल मोमिन शामिल थे। हरीश द्विवेदी, संबित पात्रा और सुनील बंसल जैसे शीर्ष केंद्रीय नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया की देखरेख की तथा शीर्ष पद के लिए सर्वसम्मत उम्मीदवार तय करने के लिए राज्य नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को नए राज्य भाजपा प्रमुख को बधाई दी और कहा कि विनम्रता से जमीनी, मां भारती को समर्पित, पार्टी की एक प्रतिबद्ध संवाद! असम भाजपा के अध्यक्ष दिलीप सैकिया। उन्हें सफल अध्यक्ष बनने की शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा असम के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने पर दिलीप सैकिया को बधाई। वह एक समर्पित और अनुशासित कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने अपने छात्र दिनों से ही संगठन की सेवा की है। दिलीप सैकिया चाहे स्वयंसेवक हों, कार्यकर्ता हों या सांसद के रूप में, उन्होंने जो भी जिम्मेदारी संभाली है, उसमें उनका महत्व बढ़ा है। उनके मिलनसार और मेहनती स्वभाव को पार्टी में व्यापक रूप से जाना जाता है। मुझे यकीन है कि असम भाजपा उनके राष्ट्रपति पद के दौरान नई ऊंचाइयों को छुएगी। सैकिया ने सीएम हिमंत विश्व शर्मा को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आपके दयालु शब्दों और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद। मैं इस अवसर से बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं और समर्पण के साथ असम के लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मुझे विश्वास है कि हमारे नेतृत्व के मार्गदर्शन और हर कार्यकर्ता की कड़ी मेहनत के साथ, हम एक साथ मिलकर नई ऊंचाइयों पर भाजपा को ले जाएंगे। असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा और मंत्री पीयूष हजारिका ने भी नवनियुक्त भाजपा राज्य प्रमुख को शुभकामनाएं दीं।

सिर्फ भाजपा में ही ...

होने की जरूरत नहीं है। एक साधारण *स्वयंसेवक* अगर समर्पण के साथ काम करे तो वह भी अध्यक्ष बन सकता है। उन्होंने दावा किया कि अगर हम कांग्रेस या अन्य पार्टियों को देखें, तो सबसे पहले यह विश्लेषण किया जाएगा कि उन्हें किसका *आशीर्वाद* मिला है या वे किस *परिवार* से हैं, तभी कोई शीर्ष पद पर पहुंच सकता है। शर्मा ने कहा कि भाजपा में हमेशा ऐसे साधारण कार्यकर्ताओं की तलाश रहती है, जिन्होंने अपने काम से खुद को असाधारण साबित किया हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैकिया के पिता का नाम भी कोई नहीं जानता। हम अपने पिता से प्रेरणा लेते हैं और उनके आशीर्वाद से हम अपना रास्ता खुद बनाते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया है कि पार्टी में भाई-भतीजावाद न पनपने पाए और यह आम लोगों की पार्टी बनी रहे।

एडवांटेज असम 2.0 ...

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को व्यापक रूप से सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए और उम्मीद जताई कि 25 और 26 फरवरी को आयोजित होने वाला यह सम्मेलन राज्य में निवेश और बुनियादी ढांचे के विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा। बैठक में पर्यावरण और वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास, जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका, सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री जयंत मल्लबरुवा, राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत, खेल और युवा कल्याण मंत्री नंदिता गार्लोसा, परिवहन मंत्री जोगेन महोन, ऊर्जा मंत्री प्रशांत फूकन, मत्स्य मंत्री कृष्णेंदु पाल, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री कौशिक राय सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य में सड़क ...

लेकर सख्त कानूनों के चलते असम में 31 दिसंबर को केवल 32 दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें आठ लोगों की मौत हुई। हम आने वाले दिनों में ऐसी दुर्घटनाएं न हों इस पर काम कर रहे हैं। हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे सुरक्षित ड्राइविंग के नियमों का पालन करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 दिसंबर को सड़क दुर्घटनों में 45 लोग घायल हुए और आठ लोगों की मौत हुई। शर्मा ने हाल ही में जिला आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और परिवहन तथा आबकारी विभागों के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस की। इस कांफ्रेंस में राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा, सड़क सुरक्षा नियमों को लागू करने और ऐसी घटनाओं को कम करने के लिए परिवहन और पुलिस विभागों द्वारा किए गए उपायों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान, परिवहन और पुलिस विभागों ने गुवाहाटी में शराब के नशे में गाड़ी चलाने से जुड़ी घटनाओं सहित विभिन्न जिलों में सड़क दुर्घटनाओं के कारणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संबंधित विभागों को फुट ओवर-ब्रिज और फ्लाईओवर पर पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। बैठक में ग्रामीण सड़कों पर दुर्घटनाओं के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे स्कूल, अस्पताल और थानों के सामने स्पीड ब्रेकर लगाना सुनिश्चित करें। सीएम शर्मा ने ग्रामीण सड़कों के हर किलोमीटर के भीतर दो स्पीड-ब्रेकर बनाने का आदेश दिया। इस बात पर जोर दिया कि उनकी जगह और डिजाइन स्थानीय ग्रामीणों के परामर्श से निर्धारित की जानी चाहिए।

धुबड़ी : गुणोत्सव के...

तब और खराब हो गई जब इस महत्वपूर्ण दिन पर प्रधानाध्यापक अनुपस्थित पाए गए। गुणोत्सव परीक्षा, जो सुबह 9:00 बजे शुरू होनी थी, एक घंटे से अधिक देरी से शुरू हुई और सुबह 10:20 बजे शुरू हुई, जिससे छात्रों की निराशा और बढ़ गई। प्रधानाध्यापक की अनियमित उपस्थिति और कुप्रबंधन के खिलाफ लंबे समय से लगे आरोपों की पुष्टि प्राथमिक शिक्षा अधिकारी देबाशीष सिंहा द्वारा ब्लॉक रिसोर्स पर्सन्स (बीआरपी) और क्लस्टर रिसोर्स सेंटर समन्वयकों (सीआरसीसी) के साथ की गई जांच से हुई। जांच में कई महत्वपूर्ण खामियां सामने आईं, जिसमें स्कूल प्रबंधन और विकास समिति (एसएमडीसी) से उचित मंजूरी के बिना निर्माण कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए स्कूल भवन के एक हिस्से को ध्वस्त करना भी शामिल है। प्रधानाध्यापक के दावों के बावजूद, विध्वंस को उचित ठहराने के लिए आवश्यक प्रस्ताव सत्यापन के लिए उपलब्ध नहीं था। स्कूल का बुनियादी ढांचा कथित तौर पर खस्ताहाल है, कक्षाओं में बिजली और छत के पंखे नहीं हैं, जिससे छात्रों को अत्यधिक गर्मी में रहना पड़ता है। जबकि प्रधानाध्यापक ने बिजली की कमी के लिए उपकरणों की चोरी और क्षति को जिम्मेदार ठहराया है, इस मुद्दे को हल करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, शौचालय अस्वच्छ हैं, और पीने के पानी की सुविधा अपर्याप्त है, जिससे छात्रों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा होता है। अनुशासन संबंधी मुद्दे भी स्कूल में व्याप्त हैं। हेडमास्टर की अनियमित उपस्थिति को *शिखा सेट* ऐप के माध्यम से चिन्हित किया गया है, और गर्मियों के दौरान सुबह की प्रार्थना बंद कर दी गई है। स्कूल के डिजिटल बोर्ड के अनुचित उपयोग के बारे में भी आरोप सामने आए हैं, हालांकि हेडमास्टर ने इन दावों का खंडन किया है। अन्य उल्लंघनों में परीक्षा के दिनों में मिड-डे मील सेवाओं का निलंबन शामिल है, जिससे छात्रों को आवश्यक पोषण से वंचित होना पड़ता है। स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष माहेर अली द्वारा छात्रों को आश्वासन दिए जाने पर कि प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, स्कूल में विरोध प्रदर्शन अस्थायी रूप से शांत हो गया। हालाँकि, इस घटना से स्थानीय समुदाय में हलचल मच गई है तथा माता-पिता और निवासियों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। रिपोर्टों से पता चलता है कि प्रधानाध्यापक एस.एम.डी.सी. को दरकिनार करते हुए एकतरफा ढंग से काम कर रहे हैं और नियमित बैठकें आयोजित करने में भी विफल रहे हैं, जिसके कारण व्यापक शिकायतें हो रही हैं। चिंतित माता-पिता और अभिभावक अब स्कूल में व्यवस्था और विश्वसनीयता बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। जरुआरचर पब्लिक हाई स्कूल में सामने आई स्थिति ने प्रशासन और बुनियादी ढांचे में प्रणालीगत विफलताओं को उजागर किया है, तथा तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया है। अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने आशा व्यक्त की है कि मुख्यमंत्री स्थिति को सुधारने के लिए हस्तक्षेप करेंगे और जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे, जिससे शिक्षा के स्तर में सुधार का मार्ग प्रशस्त होगा।

हर असमिया के दिलों ...

सभा की पहल पर रूपकोंवर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने के बाद, श्रीजानी डांस कॉलेज के छात्रों ने पूरे भक्तिभाव के साथ नृत्य के माध्यम से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्य के अन्य हिस्सों में भी आज शिल्पी दिवस पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किए जा रहे हैं। सुंदरता के उपासक, क्रांतिकारी कलाकार ज्योतिप्रसाद अग्रवाला के कालजयी गीत आज राज्य के विभिन्न हिस्सों की जुबान बन गया है। बंगाईगांव जिले का जोगीघोपा भी इस से अछूता नहीं है। जोगीघोपा के कुमारकाटा में जीवन बर्मन ने एक गीत के साथ रुपकोंवर को याद किया। उल्लेखनीय है कि ज्योति प्रसाद अग्रवाला स्वतंत्रता आंदोलन में जहां बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं दूसरी ओर गीत और नाटकों की रचना कर आंदोलनकारियों को जगाने का कार्य किया। साथ ही पहली असमिया फिल्म का निर्माण कर राज्य के सांस्कृतिक जगत को समृद्ध किया। उनके योगदान को याद करने के लिए आज के दिन को राज्य सरकार की पहल पर शिल्पी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महिलाओं को 2500...

प्रतिमाह देने का भी वादा भाजपा ने अपने मेनिफेस्टो में किया है। इसके साथ ही एलपीजी सिलेंडर पर 500 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं होली और दीवाली पर एक एक सिलेंडर मुफ्त में दिए जाएंगे। गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। जेपी नड्डा ने कहा कि दिल्ली में जो जन कल्याण की योजनाएं चल रही हैं, वो सारी योजनाएं भाजपा की सरकार बनने पर भी जारी रहेंगी। उन सभी योजनाओं का ज्यादा कारगर तरीके से सुदृढ़ीकरण किया जाएगा और उन्हें भ्रष्टाचार से मुक्त भी किया जाएगा। हमने गरीब कल्याण, सुशासन, गुड गवर्नेंस, महिला सम्मान, विकास, युवाओं और किसानों का सशक्तिकरण और मजदूर वर्ग को मुख्य धारा में लाने को अपना उद्देश्य बनाया और आज मुझे खुशी है कि नीति आयोग के अनुसार 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल आए हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का संकल्प पत्र विकसित दिल्ली की नींव रखने वाला है। उन्होंने कहा कि युवा, मजदूर महिला, व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों से बात कर संकल्प पत्र तैयार किया गया है। आप सरकार वर्तमान में बिजली और पानी पर सब्सिडी देती है और साथ ही उसने महिलाओं के लिए डीटीसी बसों में यात्रा मुफ्त कर रखी है। हाल ही में उसने सत्ता में वापस लौटने पर महिला सम्मान योजना के तहत हर महिला को प्रतिमाह 2,100 रुपए देने की घोषणा की। गौरतलब है कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीट के लिए पांच फरवरी को मतदान होना है जबकि नतीजे आठ फरवरी को आएंगे।

31 से शुरू होगा ...

बताया कि सत्र का दूसरा भाग मार्च के दूसरे सप्ताह और अप्रैल के पहले सप्ताह के बीच होगा। इसकी संभावित अवधि 10 मार्च से 4 अप्रैल तक हो सकती है। सत्र के पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर दोनों सदनों में बहस होती है। संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री के जवाब के साथ ही समाप्त होता है। अठारहवीं लोकसभा का चौथा सत्र होगा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट सत्र होगा। 18वीं लोकसभा चुनाव के बाद मोदी सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी। वहीं, इससे पहले पिछले साल हुए शीतकालीन सत्र में भारी हंगामा देखने को मिला था। पूरा सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया था।

रूसी सेना में लड़ ...

मौत हो चुकी है। इस मामले पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि रूसी सेना में सेवारत भारतीय नागरिकों के 126 मामले सामने आए हैं। इन 126 मामलों में से 96 लोग भारत लौट आए हैं और उन्हें रूसी सशस्त्र बलों से छुट्टी दे दी गई है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि रूसी सेना में अठारह भारतीय नागरिक बचे हैं और उनमें से 16 व्यक्तियों का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि रूसी पक्ष ने उन्हें लापता के रूप में वर्गीकृत किया है, हम उन लोगों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी की मांग कर रहे हैं जो बचे हुए हैं। बता दें कि हाल के दिनों में रूसी सेना में शामिल एक केरल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। 32 वर्षीय बिनिल बाबू की मौत को विदेश मंत्रालाय ने दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि मॉस्को में भारतीय दूतावास उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द वापस भेजने के लिए रूसी पक्ष के संपर्क में है। वहीं, विदेश मंत्रालाय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि युद्ध में घायल हुए एक अन्य व्यक्ति का रूसी राजधानी में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि उनका इलाज पूरा होने के बाद वे भी जल्द ही भारत लौट आएंगे। इसी सप्ताह भारतीय विदेश में मंत्रालय ने कहा था कि उसने इस मुद्दे को रूसी सरकार के साथ मजबूती से उठाया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बातचीत के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे भारतीयों की जल्द रिहाई का मुद्दा उठाया था। इसके अलावा पीएम मोदी ने पिछले साल अक्तूबर के महीने में कजान में हुए 16वें ब्रिक्स सम्मेलन में भी इस मुद्दे रूसी राष्ट्रपति के सामने उठाया था।

अब भगोड़ों की खैर ...

साथ ही, उन्होंने कहा कि उन न्यायाधिकारियों को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है, जो वंचित वर्गों को न्याय दिलाने में मदद कर सकें। केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों—भारतीय न्याय संहिता (आईपीसी), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (सीपीसी), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम —के महत्व पर भी जोर दिया। इन कानूनों का उद्देश्य है कि अपराधियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाए और तीन साल के भीतर न्याय प्राप्त हो। इन नए कानूनों से औपनिवेशिक युग के पुराने कानूनों को बदलने का काम किया गया है। अमित शाह ने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने इन नए कानूनों को लागू करने में अब तक जो प्रयास किए हैं, उसकी सराहना की गई है, लेकिन इनका 100 प्रतिशत कार्यान्वयन जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। गृह मंत्री ने बैठक में यह भी सुझाव दिया कि आतंकवाद और संगठित अपराध से जुड़े मामलों की गंभीरता को देखते हुए, इन मामलों की समीक्षा करने के बाद ही उचित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि इन कानूनों का कोई भी दुरुपयोग नहीं होना चाहिए, जिससे कि कानून की शुचिता बनी रहे।

राष्ट्रपति ने मनु ...

सुभाष राणा, निशानेबाजी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दीपाली देशपांडे, संदीप सांगवान को हॉकी में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार, 2024 प्रदान किया। इसके अलावा बैडमिंटन में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए एस मुरलीधरन, फुटबॉल में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए अर्मांडो एग्नेलो कोलाको को द्रोणाचार्य पुरस्कार (आजीवन), 2024 प्रदान किया। राष्ट्रपति ने एथलेटिक्स में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए अन्नू रानी को अर्जुन पुरस्कार, 2024 प्रदान किया। इसके अलावा मुक्केबाज नीतू और स्वीटी, शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल, हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे और अभिषेक, संजय, जरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, पैरा-तीरंदाज राकेश कुमार, पैरा-एथलेटिक्स प्रीति पाल और जीवनजी दीप्ति सहित 34 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार, 2024 प्रदान किया।

पीएम आज स्वामित्व ...

प्रदान करके ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने की दृष्टि से की गई थी। यह योजना संपत्तियों के मुद्रीकरण एवं बैंक ऋण के माध्यम से संस्थागत ऋण को संभव बनाने; संपत्ति संबंधी विवादों को कम करने; ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों व संपत्ति कर के बेहतर आकलन की सुविधा प्रदान करने और ग्राम-स्तर की व्यापक योजना के निर्माण में भी मदद करती है। कुल 3.17 लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जिसमें लक्षित गांवों का 92 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। अब तक 1.53 लाख से अधिक गांवों के लिए लगभग 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। इस योजना ने पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा, गोवा, उत्तराखंड और हरियाणा में पूर्ण संतृप्ति हासिल कर ली है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ कई केंद्रशासित प्रदेशों में भी ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

पुणे : दो अलग...

लाख रुपए आर्थिक मदद की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार आज सुबह पुणे में सासवड-जेजुरी रोड पर बेलसर फाट्या के पास एसटी बस ने मोटर साइकिल से जा रहे तीन लोगों को कुचल दिया। स्थानीय नागरिकों और पुलिस ने तीनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनों की पहचान रमेश किसन मेमाने (60), संतोष दत्तात्रय मेमाने (40), और पांडुरंग दामोदर मेमाने (65) के रूप में की गई है। इस घटना में पुलिस ने एसटी बस चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इसी तरह पुणे-नासिक राजमार्ग पर आज सुबह एक आयशर टैम्पो ने यात्रियों को ले जा रहे मैक्स ऑटो वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद मैक्स ऑटो वाहन आगे जा रही एसटी बस से टकरा गया। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। मृतकों में चार महिलाएं, चार पुरुष और एक बच्चा शामिल है। मृतकों की पहचान देबूबाई दामू टाकलकर (65), विनोद केरूभाऊ रोकड़े (50), युवराज महादेव वाव्हल (23), चंद्रकांत करभारी गुंजाल (57), गीता बाबूराव गवारे (45), भाई राभाजी बड़े (65), नजमा अहमद हनीफ शेख (35) वशीफा वाशिम इनामदार (5) और मनीषा नानासाहेब पाचारणे (56) के रूप में की गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के सहयोग से फरार टैम्पो चालक की तलाश कर रही है।

भाजपा और एनसी ...

हैं। वे चाहते हैं कि अल्लाह उनकी रियासत को ठीक रखे। रियासत में अमन रहे। तरक्की हो और बर्फ पड़े। पहाड़ों पर बर्फ की कमी है। इससे पानी की कमी हो जाएगी। मुल्क में भी अमन रहने की दुआ करता हूं। फारूक अब्दुल्ला ने यहां मखमली चादर और पुष्प पेश किए। गौरतलब है कि हाल ही में जम्मू-कश्मीर में टनल के उद्घाटन समरोह में फारूक अब्दुल्ला के पुत्र और जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की खूब तारीफ की थी। साथ ही देश व जम्मू-कश्मीर को विकास और शांति की राह पर अग्रसर बताया था। इसके उलट फारूख अब्दुल्ला ने इसे नकार दिया। फारूख अब्दुल्ला ने एक्टर सैफ अली खान पर हमला होने के मुद्दे को गंभीर नहीं माना। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले होते रहते हैं। कोई बड़ी बात नहीं है। दिल्ली चुनाव पर पूछे गए सवाल पर कहा कि चुनाव आते हैं और हो जाते हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन में शामिल थे। अब जब गठबंधन ही नहीं रहा तो उनके सुर भी बदल गए।

असम भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ेगा : गजेंद्र सिंह शेखावत

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदेश भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुने जाने पर दिलीप सैकिया को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आज से असम भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। आज का दिन ऐतिहासिक है। केंद्रीय मंत्री शेखावत शुक्रवार को राजधानी के बशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष की ताजपोशी समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भाजपा अपनी स्थापना वर्ष 1980 से ही निश्चित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ती रही है। देश में इस समय मौजूद 12 हजार राजनीतिक दलों के बीच भाजपा की एक अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि भाजपा का इतिहास सिर्फ 1980 तक ही सीमित नहीं है। देशवासियों के बलिदान के बाद आजादी मिली तो नेहरू देश को कुमार्ग पर लेकर चलने लगे थे। तब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने वर्ष 1951 में जनसंघ की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं की शक्ति को बढ़ाते हुए देश को संपन्न, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाना था। केवल सत्ता प्राप्ति उद्देश्य नहीं था। इसी लक्ष्य को लेकर पार्टी की स्थापना हुई। तब से बिना रुके, बिना थके, बिना झुके निरंतर लाखों-लाख साथियों ने इस उत्कर्ष पर भारतीय जनता पार्टी को पहुंचाने के लिए काम किया। आज देश के लगभग दो तिहाई प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्यक्ष तथा परोक्ष सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार देश की जनता के आशीर्वाद से प्रचंड बहुमत के साथ बनी एनडीए सरकार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रही है। कभी भरोसा भी नहीं था कि हमारी सरकार बनेगी, लेकिन हमारे कार्यकर्ता निरंतर जुटे रहे। इसी का परिणाम है कि आज हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के इसी परिश्रम के बदौलत आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है। 30 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। यह सब कार्यकर्ताओं के मेहनत के बल पर संभव हुआ है। उन्होंने असम सरकार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि जिस तेजी से असम में कार्य हुआ, वही कारण है कि आज भारत का ग्रोथ इंजन असम बन रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में लगातार भाजपा की जीत होती रही है। उन्होंने कहा कि भबेश कलिता के नेतृत्व में पार्टी लगातार जीत हासिल करती रही है। उनके अनुभवों का लाभ हमेशा ही पार्टी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भबेश कलिता ने पार्टी की तमाम ऊर्जा को समेटकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में कार्य किया, उसी का परिणाम है कि आज भाजपा का कोई विकल्प असम में दिखाई नहीं देता है। केंद्रीय मंत्री ने वर्ष

2025 को पूर्णाहुति का वर्ष बताते हुए कहा कि जिस ऊर्जा के साथ भाजपा के बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं ने कार्य किया है, उसको समेटे हुए दिलीप सैकिया के नेतृत्व में अगले एक साल तक हम कार्य करेंगे। असम के हर पंचायत तक कमल खिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिलीप सैकिया आपके लिए अपरिचित नहीं हैं। उन्होंने निरंतर भारतीय जनता पार्टी में काम किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामान्य संघ सेवक के रूप में काम करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचे हैं। सैकिया भाजपा में आने से पहले संघ के विभिन्न अनुसांगिक संगठनों में काम कर चुके हैं। अब वे प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम करके हमारा मार्गदर्शन करने वाले हैं। शेखावत ने कहा कि भाजपा ऐसा दल है, जहां व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं होता है। संगठन जो दायित्व अर्पित करता है, उसे पूरे उत्साह के साथ व्यक्ति काम करता है। पार्टी का हर कार्यकर्ता जानता है कि उसे जो भी काम दिया गया है, उसका लक्ष्य एक ही है। उन्होंने कहा कि दिलीप सैकिया हमेशा ही संगठन को मजबूत करने की बात सोचते हैं। कार्यक्रम में मंत्री शेखावत के साथ नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिलीप सैकिया, निवृतमान अध्यक्ष भबेश कलिता, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, हरीश द्विवेदी, जीआर रविंद्र राजू, कामाख्या प्रसाद तासा, मिशन रंजन दास, राजेन गोहाईं, रंजीत दत्त, सिद्धार्थ भट्टाचार्य, रंजीत दास आदि के साथ ही बड़ी संख्या में पार्टी के विधायक, सांसद, नेता तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नए भाजपा अध्यक्ष सैकिया को सोनोवाल ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष के रूप में सांसद दिलीप सैकिया ने आज गुवाहाटी स्थित मुख्यालय में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सोनोवाल ने कहा कि दिलीप सैकिया ने अपने लंबे अनुभव, समर्पित सेवा, और संगठनात्मक कुशलता से भाजपा को मजबूत करने में अहम योगदान दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में सैकिया असम में पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उनके कार्यकाल की सफलता के लिए मैं अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं। सोनोवाल ने कहा कि आज शिल्पी दिवस है। इस अवसर पर मैं रूपकुंवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनकी रचनात्मकता और अमूल्य योगदान ने असमिया समाज को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध किया है। स्वतंत्रता संग्राम में भी उनका योगदान अतुलनीय था। भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि जनसंघ के गठन से लेकर आज भाजपा के संगठित रूप तक, पार्टी ने लंबी यात्रा तय की है। इस दौरान जिन्होंने अपना सर्वस्व अर्पण किया, मैं उन्हें नमन करता हूं। आज हमें एकजुट होकर असम और देश की सेवा के लिए काम करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं के प्रयासों से असम में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। नए अध्यक्ष दिलीप सैकिया के नेतृत्व में आगामी सभी चुनावों में सफलता सुनिश्चित करने के लिए हमें पूरी ताकत से काम करना होगा। सोनोवाल ने निवर्तमान अध्यक्ष भबेश कलिता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया। अब नए अध्यक्ष के नेतृत्व में हमें संगठन को और मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना है।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेल : असम टीम की जर्सी लांच समारोह 19 को

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तराखंड में होने वाले आगामी 38 वें राष्ट्रीय खेलों के असम टीम की जर्सी का अनावरण समारोह 19 जनवरी को गुवाहाटी के सरूसजाई खेल परिसर में होगा। असम ओलंपिक संघ के सचिव लक्ष्मीकांत कोंवर ने बताया कि असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग के सहयोग से असम ओलंपिक संघ द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें असम टीम को राष्ट्रीय खेलों के लिए औपचारिक विदाई दी जाएगी। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और असम ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सर्बानंद सोनोवाल, संघ के दो वरिष्ठ उपाध्यक्ष और असम सरकार के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका, जयंतमल्ल बरुवा के साथ ही खेल मंत्री नंदिता गार्लोसा भी उपस्थित रहेंगी।

जागीरोड के गोभा देवराजा के जोनबील मेला का दूसरा दिन

मोरीगांव (हिंस)। ऐतिहासिक गोभा देवराजा के जोनबील मेला का आज दूसरा दिन है। पहाड़ और मैदानी क्षेत्रों के सामुदायिक सौहार्द का संदेश लेकर मेले में शुक्रवार सुबह प्राचीन वस्तु-विनिमय प्रथा का आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ मोरीगांव के विधायक रमाकांत देउरी ने किया। प्राचीन परंपराओं से समृद्ध इस विनिमय प्रथा में कार्बी आंगलोंग और मेघालय से आए पर्वतीय समुदायों और मैदानी क्षेत्र के कृषिजीवियों ने भाग लिया। विनिमय हाट में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अनोखी

प्रथा को देखने के लिए राज्यभर से लोग पहुंचे। इस दौरान आधुनिक मुद्रा व्यवस्था स्थगित रही और प्रतिभागियों ने वस्तुओं का आदान-प्रदान किया। पर्वतीय समुदायों ने अपने उत्पाद जैसे अदरक, हल्दी, लौकी, काली मिर्च आदि का विनिमय कर मैदानी क्षेत्रों के लोगों से चिउरा, पिठा, सूखी मछली आदि प्राप्त किए। विनिमय प्रथा के बाद मेले में पारंपरिक कुक्कुट युद्ध का आयोजन हुआ। साथ ही जोनबील के किनारे सामूहिक मछली पकड़ने का कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। यह दृश्य प्राचीन परंपराओं और सामुदायिक आनंद का प्रतीक बन गया।

विहिप के उत्तर-पूर्व प्रांत की त्रैमासिक पत्रिका *शंखनाद* का विमोचन

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के उत्तर पूर्व प्रांत की त्रैमासिक पत्रिका *शंखनाद* का शुक्रवार कोनगर के उलुबाड़ी स्थित पांचजन्य भवन में विमोचन किया गया। इस मौके पर विहिप के केंद्रीय प्रचार प्रमुख विजय तिवारी ने शंखनाद के मुद्रण के पीछे के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हिंदू समाज को विभाजित करने के लिए कई शक्तियां काम कर रही हैं। लंबे समय से देश में एक ऐसा नेरेटिव बनाया गया है, जिसे हिंदू समाज बिना सोच-विचार के उसे सत्य मानकर अपनी धर्म, संस्कृति और परंपरा से दूर हो जाए। इसको रोकने के लिए हमें अपनी बातों को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्य करना होगा। इस कार्य में शंखनाद बड़ा सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के जरिए हिंदू समाज को विभाजित करने के तौर-तरीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस दौरान फिल्मों के जरिए बनाए जाने वाले नेरेटिव की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज हिंदू समाज हिंदुत्व के बारे में नहीं जानता है। इसलिए हमें ऐसी पत्रिकाओं के जरिए वेद, उपनिषद, गीता, रामायण

आदि के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में जनमानस तक पहुंचाना होगा। उन्होंने अन्य कई महत्वपूर्ण जानकारी उपस्थित लोगों के सामने रखी। कार्यक्रम में पत्रिका के मुख्य संपादक अजय कुमार बोरा ने इसके प्रकाशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विहिप के पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री दिनेश तिवारी, विहिप उत्तर पूर्व प्रांत के उपाध्यक्ष ध्रुव महंत, उत्तर पूर्व क्षेत्र के मंत्री कुमुद बरठाकुर, पत्रिका के संपादक पराग शर्मा, अजय तालुकदार और अन्य प्रबुद्ध नागिरक आदि मौजूद थे।

मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा ने किया शिल्पी दिवस का आयोजन

नगांव (निसं)। रूपकोंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाला की पुण्यतिथि शिल्पी दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा ने असम साहित्य सभा, नगांव जिला समिति, नगांव नगर पालिका एवं नगांव भोगाली बिहू आयोजन समिति के साथ संयुक्त रूप से शिल्पी दिवस का आयोजन ढाकापट्टी स्थित ज्योति प्रसाद अग्रवाला की प्रतिमा के सम्मुख किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया एवं ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमा पर माल्या अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। शिल्पी दिवस के अवसर पर इस वर्ष नगांव के जाने-माने गायक कलाकार आरिफुल हक का अभिनंदन किया गया उन्हें फुलाम गमछा, सेलेंग चादर, सम्मान पत्र, प्रतीकचिन्ह, जापी एवं पांच हजार रुपए नगद राशि देकर

सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक रूपक शर्मा ने अपने संबोधन में ज्योति प्रसाद अग्रवाल की जीवनी को अपने जीवन में उतारने तथा ज्योति संगीत को अपने बच्चों को सीखाने की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर नगांव नगर पालिका की अध्यक्ष अंबिका मजूमदार, उपाध्यक्ष सीमांत बोरा, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया, सचिव अजय अजय मित्तल, सहसचिव अरुण नागरका, सम्मेलन नगांव शाखा के पूर्व अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, अनिल शर्मा, महेश बुधिया, कमल शोभासरिया, शंकर लाल शोभासरिया, तेरापंथ सभा नगांव के अध्यक्ष विनोद बोथरा, पवन बुधिया, दिलीप बगड़िया, महेंद्र कर्वा, दिलीप अग्रवाल, अशोक शर्मा, सुनील सोभासरिया, महेश भजनका, आकाश शोभासरिया, ढाका पट्टी व्यवसायिक संस्था के सचिव मनजीत सिंह गांधी, सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया सहित सम्मेलन के कई सदस्य एवं वरिष्ठ व्यक्तिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर नगांव साहित्य सभा, के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ नगर पालिका के व नगांव भोगाली बिहू आयोजन समिति के भी काफी मात्रा में सदस्य गण उपस्थित थे ।

हैलाकांदी में पुलिस का ड्रग्स के खिलाफ अभियान जारी

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी जिले की पुलिस ने अभियान चलाते हुए 24 ग्राम ड्रग्स और 40 नशे की गोलियां समेत अन्य मादक पदार्थ जब्त किए। पुलिस ने यह जब्ती हैलाकांदी शहर के एसके राय सिविल अस्पताल के सामने स्थित एक रेस्तरां से की। अभियान के दौरान, पुलिस ने दो ड्रग्स तस्करों को भी गिरफ्तार किया। उनकी पहचान राजू देवनाथ और आबास उद्दीन बरभुइंया के रूप में हुई है। पुलिस का अनुमान है कि जब्त किए गए मादक पदार्थों की बाजार कीमत लगभग एक लाख रुपए है। वर्तमान में दोनों आरोपितों से पूछताछ जारी है।

सीमांत मुख्यालय एसएसबी, गुवाहाटी के महानिरीक्षक ने छठीं वाहिनी रानीगुली कैंपस का किया औपचारिक निरीक्षण

कोकराझाड़ (विभास)। सुधीर कुमार वर्मा, महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), गुवाहाटी व अमित कुमार ठाकुर उपमहानिरीक्षक सशस्त्र सीमा बल, बंगाईगांव के द्वारा छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रानीगुली, का औपचारिक निरीक्षण किया गया। महोदय के आगमन पर वाहिनी के कमांडेंट रविन्द्र कुमार व वाहिनी में उपस्थित राजपत्रित अधिकारियों ने हार्दिक स्वागत किया। उसके उपरांत महानिरीक्षक महोदय को वाहिनी की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। महोदय द्वारा कैंपस का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान वाहिनी मुख्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महानिरीक्षक महोदय के दौरे के दौरान वाहिनी में विभिन्न प्रदर्शन जैसे- हथियारों का खोलना जोड़ना, मास पीटी, जूडो कराटे तथा श्वानों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही साथ सैनिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसमें महोदय सभी जवानों /अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से रूबरू हुए तथा उनकी समस्याओं के निवारण

हेतु आश्वासन दिया एवं वाहिनी मुख्यालय में तैनात अधिकारियों एवं शाखा प्रभारियों के साथ प्रशासनिक व्यवस्था, सुरक्षा एवं प्रचालन के क्षेत्रों पर विचार विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिसमें कमांडेंट, रविन्द्र कुमार, सौम्य हल्दर, वरिष्ठ मानव चिकित्सा अधिकारी, ई. चौबा सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी, सनिहे सलेव, उप-कमांडेंट, नरेंद्र सोपान कुटे, उप कमांडेंट, सौरभ कुमार सहायक कमांडेंट तथा वाहिनी में उपस्थित समस्त बल कार्मिक उपस्थित रहे।

दक्षिण सालमारा में पुलिस का ड्रग्स विरोधी अभियान

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा मानकाचर जिले में पुलिस ने दो स्थानों पर अभियान चलाते हुए बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि पहला अभियान खारुआबांधा पुलिस चौकी क्षेत्र के खारुआबांधा बाजार में चलाया गया, जहां से पुलिस ने 234 हेरोइन से भरे कंटेनर (कुल वजन 291 ग्राम) के साथ दो तस्करों को पकड़ा। गिरफ्तार तस्करों की पहचान फेकामारी द्वितीय खंड गांव के आकाश अली उर्फ दुलिया और कुकुरमारा बोवालिया गांव के बाबुल शेख के रूप में हुई। दूसरा अभियान मानकाचर थानाक्षेत्र के डुमरतला में चलाया गया, जहां पुलिस ने 5 बॉक्स हेरोइन के साथ एक तस्कर को पकड़ा। उसकी पहचान फकीरगंज थाना क्षेत्र के साकली गांव के अब्दुल समद मियां के रूप में हुई है। अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

समुत्कर्ष महाशिविर के लिए सरूसजाई स्टेडियम में भूमि-पूजन संपन्न

गुवाहाटी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में 29 से 31 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाले समुत्कर्ष महाशिविर हेतु भूमिपूजन संपन्न हुआ। यज्ञ अनुष्ठान में नेडफी के चेयरमैन पीवीएसएलएन मूर्ति, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। नीलाचल वेद विद्यापीठ कालीपुर, गुवाहाटी के आचार्य एवं वटुकों द्वारा वेदमंत्रों के साथ समुत्कर्ष महाशिविर हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। भूमि पूजन समारोह में विद्या भारती के पंच प्राण-विद्यार्थी, आचार्य, पूर्व छात्र, अभिभावक एवं प्रबंध समिति के सदस्यों ने भाग लिया। क्षेत्रीय मंत्री जगदीन्द्र रायचौधुरी जी ने बताया समुत्कर्ष महाशिविर में 5 हजार विद्यार्थी भाग लेंगे। पहली बार विद्या भारती के पंचप्राण बनेंगे महाशिविर का हिस्सा। महाशिविर में दो दिससीय पूर्वोत्तर लोक संस्कृति महोत्सव समेत पूर्व छात्र सम्मेलन एवं विशाल मातृ सम्मेलन का आयोजन होगा।

मायुमं, कामाख्या शाखा ने मनाया शिल्पी दिवस

गुवाहाटी। (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया की अध्यक्षता में फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में रुपकोनवर ज्योति प्रसाद अग्रवाला की पुण्यतिथी पे शिल्पी दिवस का एक कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसमें सबसे पहले हमारे मुख्य अतिथि असम साहित्य सभा के सेकेट्री दीपक शर्मा एवं ज्योति प्रसाद अग्रवाला की पुत्री ज्ञानासरी पाठक बाईदो द्वारा दीप प्रज्ज्वलित एवं असम के जातिय सांगित के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई तत्पश्चात ज्ञानाश्री पाठक बाईदो एवं दीपक शर्मा और पलोरीना गोगोई का पुलाम गमछा और सोल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया गया। अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण के पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा संबोधन प्रस्तुत किया

गया। सीमा शर्मा, कृतिका अग्रवाल ने ज्योति सांगित प्रस्तुत किया, कविता प्रतियोगिता में कई सदस्यो ने भाग लिया, जिसमें प्रथम प्रियंका जैन, द्वितीय सीमा शर्मा, तृतीय कृतिका अग्रवाल को मिला विजेताओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अंत में सह सचिव मीना जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम संयोजिका एवं जनसंपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में पोषक सदस्य शांति कुंडलिआ, कोषाध्यक्ष खुशबू मोर, मधु खाखोलिया, ममता सेठी, रजनी पगारिया किरण अग्रवाल, चांदनी बैद, मेनका जैन आदि सदस्याए उपस्थित थी।

जेसीआई बरपेटारोड की वार्षिक आम बैठक आयोजित

बरपेटारोड। जेसीआई बरपेटारोड की वार्षिक आम बैठक का भव्य आयोजन 16 जनवरी 2025 को अध्यक्ष जेसी स्नेहा खेमका की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, अध्यक्ष स्नेहा खेमका ने सभी उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया और अपने सफल कार्यकाल के दौरान मिले अपार समर्थन के लिए सभी का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह साल उनके लिए प्रेरणादायक और उपलब्धियों से भरा रहा है, जिसके लिए वे सभी सदस्यों की आभारी हैं। बैठक में आगे सचिव जेसी स्वीटी सराफ ने अपने पूरे वर्ष की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सामुदायिक सेवाओं की

जेसी राधिका मोर बनीं नई अध्यक्ष 2025

जानकारी दी, जिससे सदस्यों को पूरे वर्ष की उपलब्धियों पर गर्व महसूस हुआ। इसके बाद, कोषाध्यक्ष जेसी आशा सराफ ने वित्तीय स्थिति का विस्तृत लेखा-जोखा पेश किया, जिसमें आय और व्यय का विवरण शामिल था। नामांकन समिति के अध्यक्ष जेसी सुमित खेमका को नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया के लिए मंच सौंपा गया। उन्होंने प्रक्रिया का संचालन करते हुए सदस्यों से सुझाव मांगे। बैठक में सदस्यो द्वारा जेसी राधिका मोर के नाम का प्रस्ताव रखा गया। यह नाम पूरे सदन द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया, और इस प्रकार, जेसी राधिका मोर को वर्ष 2025 के लिए अध्यक्ष घोषित किया गया। अध्यक्ष चुने जाने के बाद, जेसी राधिका मोर ने कर्मठ शब्दों में अपनी नई भूमिका को स्वीकार किया और भविष्य की दिशा में संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 हमारे लिए एक नया अध्याय है, जिसमें हम नवाचार, प्रेरणा और सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे। हम एक परिवर्तनकारी टीम बनने की कामना रखते हैं, और एकता के साथ हम असाधारण लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। आइए, हम सभी मिलकर जेसीआई के मूल्यों के साथ अपने समुदाय के लिए उज्जवल भविष्य का निर्माण करें। नव निर्वाचित अध्यक्ष ने आगे सचिव के रूप में जेसी आयुषी केडिया और कोषाध्यक्ष के रूप में जेसी आशा सराफ के नामों की घोषणा की। उपस्थित सदस्यों ने नई पीएसटी टीम का जोश और उत्साह के साथ स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। बैठक में पूर्व अध्यक्षों, बोर्ड के सदस्यों और अन्य सामान्य सदस्यों ने भाग लिया और नए नेतृत्व को अपना समर्थन दिया। इस महत्वपूर्ण अवसर ने जेसीआई बारपेटा रोड के सभी सदस्यों को एकजुटता, समर्पण और नई ऊर्जा के साथ संगठन के लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अंत में नई सचिव जेसी आयुषी केडिया द्वारा सभी का आभार ज्ञापन किया गया।

संपादकीय

शीतकालीन प्रवास का सेतु

यहां जो आईने बनाता है, उसकी आंखें देखिए, लोगों की नजर पर अपना हुनर चढ़ाता है। हिमाचल की हर सत्ता का हुनर दरअसल इसी नजर का आईना है, जो कांगड़ा की आंखें पहन लेती हैं, लेकिन खुद को नहीं देख पातीं। मुख्यमंत्रियों के शीतकालीन प्रवास दरअसल सरकार को दिखाने का एक जरिया, एक सेतु रहा है और राजनीति पुनः दरिया में बह गए पानी से 'खरा सोना' निकालना चाहती है। यह इसलिए भी कि हर सत्ता को कांगड़ा अपना धर्म बनाता, लेकिन जिला की अपनी सियासत बिखरी रहती है। कमाल यह कि भाजपा और कांग्रेस के बीच कई नेता, कांगड़ा के नेता बनने का भ्रम पालते हैं, लेकिन यहां तो 'न घर के रहे, न घराट के'। कांगड़ा में सरकार बनाने की शक्ति है, लेकिन अपना नेता बनाने का हुनर क्यों नहीं। क्या सत्ता ने कांगड़ा को ऐसे शागिर्द नहीं दिए या दो बार मुख्यमंत्री रहे शांता कुमार खुद ही अवतार बने रहे। ऐसी क्या वजह रही कि शांता की प्रासंगिकता और हैसियत में कांगड़ा की पौध से आगे कोई नहीं निकला। चले तो वाईएस परमार के साथ भी लोग, लेकिन पंडित संत राम से सत महाजन तक कोई क्यों नहीं पहुंचा मुकाम तक। आखिर नेताओं के कोरे कागजों पर क्यों दाग उभरते रहे। स्व. वीरभद्र भी एक गुट में कांगड़ा को नसीब दे पाए, वरना पेड़ तो मेजर विजय सिंह मनकोटिया और जीएस बाली ने भी अपने-अपने बागीचों में लगाए। प्रेम कुमार धूमल ने कभी रविंद्र सिंह रवि को हर ताकत, हर बख्शीश दी, लेकिन यह तंत्र भी नाकाम रहा। जयराम इन उलझनों से परे सत्ता के जिस पहलू में मंडी को तौलते रहे, वहां कांगड़ा के कमजोर मंत्री सिर्फ देखते रहे। इसलिए अपने तीसरे वर्ष में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का शीतकालीन प्रवास पर आना, इन्हीं प्रश्नों के पुराने खूंटों को खोलने का प्रयास हो सकता है। हालांकि वर्तमान सरकार की पहली वर्षगांठ यहां हुई और इस बार भी बैजनाथ में पूर्ण राज्यत्व दिवस में कांगड़ा, स्वयं में स्वयं के खालीपन को कितना भरेगा, यह देखना होगा। जाहिर तौर पर शीतकालीन सत्र के बाद शीतकालीन प्रवास के कालीन पर जब सरकार चलेगी, तो कुछ कांटे छिप जाएंगे, लेकिन सियासी घाव लिपटे रहेंगे। शीतकालीन प्रवास इतना महत्त्वपूर्ण क्यों हो गया कि न चाहते हुए भी शिमला से सरकार को कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, चंबा और बिलासपुर तक कदम बढ़ाने पड़ते रहे। ऐसा क्यों हुआ कि शिमला विधानसभा तपोवन के सदन में पहुंच गई। क्यों धर्मशाला में दूसरी राजधानी की औकात में सपना देखा गया। यह दीगर है कि यहां हिमाचल भवन की तख्तियां हटाई गईं और आज भी मिनी सचिवालय की गवाही में मंत्रियों के कमरे सूने हैं। हद तो यह कि कांगड़ा के मंत्री भी धर्मशाला के सचिवालय में बैठने से कतराते हैं, क्योंकि वे शायद जिला के नेता न होने का खौफ खाते हैं।

> मुख्यमंत्रियों के शीतकालीन प्रवास दरअसल सरकार को दिखाने का एक जरिया, एक सेतु रहा है और राजनीति पुन: दरिया में बह गए पानी से 'खरा सोना' निकालना चाहती है। यह इसलिए भी कि हर सत्ता को कांगड़ा अपना धर्म बनाता, लेकिन जिला की अपनी सियासत बिखरी रहती है। कमाल यह कि भाजपा और कांग्रेस के बीच कई नेता, कांगड़ा के नेता बनने का भ्रम पालते हैं, लेकिन यहां तो 'न घर के रहे, न घराट के'। कांगड़ा में सरकार बनाने की शक्ति है, लेकिन अपना नेता बनाने का हुनर क्यों नहीं। क्या सत्ता ने कांगड़ा को ऐसे शागिर्द नहीं दिए या दो बार मुख्यमंत्री रहे शांता कुमार खुद ही अवतार बने रहे। ऐसी क्या वजह रही कि शांता की प्रासंगिकता और हैसियत में कांगड़ा की पौध से आगे कोई नहीं निकला। चले तो वाईएस परमार के साथ भी लोग, लेकिन पंडित संत राम से सत महाजन तक कोई क्यों नहीं पहुंचा मुकाम तक। आखिर नेताओं के कोरे कागजों पर क्यों दाग उभरते रहे। स्व. वीरभद्र भी एक गुट में कांगड़ा को नसीब दे पाए, वरना पेड़ तो मेजर विजय सिंह मनकोटिया और जीएस बाली ने भी अपने-अपने बागीचों में लगाए। प्रेम कुमार धूमल ने कभी रविंद्र सिंह रवि को हर ताकत, हर बख्शीश दी, लेकिन यह तंत्र भी नाकाम रहा।

आश्चर्य यह भी कि न कांग्रेस और न भाजपा को अब कांगड़ा से पार्टी का कोई प्रदेशाध्यक्ष मिल रहा। अब दौर कुछ ऐसा है कि हिमाचल की सियासत संसदीय क्षेत्रों की विरासत हो गई, इसलिए कांगड़ा में दो कांगड़ा बन गए। एक शीतकालीन प्रवास का और एक राजनीतिक विकास का। सियासत को देहरा अब हमीरपुर संसदीय क्षेत्र का दस्तावेज नजर आता, लेकिन बाजुओं में दर्द यह है कि बगावत होती नहीं। जब आक्रोश फूटता है, तो सत्ता के कहकहों में नीलाम राजनीति के गुलाम जीत जाते हैं। बहरहाल, एक नया शीतकालीन प्रवास और एक नए मुख्यमंत्री का सियासी इतिहास कांगड़ा के चौखट पर खड़ा है। सुक्खू ने कांगड़ा की इबारत में विकास के शिलालेख बना लिए हैं, इसलिए प्रवास की मंजिलों में कई शिलान्यास और उद्घाटन इंतजार कर रहे हैं।

पार्टी ने अपने नेता व रहबर के 'मैच्योर' होने का भी बाकायदा सार्वजनिक रूप से जश्ननुमा उल्लास प्रकट किया

कांग्रेस की इंडिया से लड़ाई की घोषणा

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> जाहिर है कांग्रेस को अपने अध्यक्ष (वह इससे पहले आधिकारिक तौर पर पार्टी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं) के लिए यह विशेषण चुभता था। लेकिन इससे छुटकारा कैसे पाया जाए, यह बड़ी समस्या थी। तब किसी 'भलेमानुस' ने सलाह दी कि राहुल गांधी से एक लंबी पैदल यात्रा करवाई जाए। यात्रा से ज्ञान बढ़ता है और लोगों से मिलने-जुलने से व्यावहारिक बुद्धि भी बढ़ती है। पैदल यात्रा सही सलामत संपन्न हो गई। तब मीडिया ने भी लिखना शुरू कर दिया कि राहुल गांधी अब 'मैच्योर' हो गए हैं। उनकी बातों से ऐसा झलकने भी लगा है। पार्टी में खुशयां छा गईं।

राहुल गांधी भारतीय संसद में विपक्ष के नेता हैं। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भी नेता हैं। वैसे लोकलाज के लिए कर्नाटक के एक वयोवृद्ध व्यक्ति मल्लिकार्जुन जी को अध्यक्ष के रूप में घोषित किया हुआ है, लेकिन सभी जानते हैं के 'लोकलाज' के बाद असली अध्यक्ष राहुल गांधी ही हैं। राहुल गांधी का एक गुण है। वह अपनी किसी बात को मन में छिपा नहीं पाते। इसलिए लोग उन्हें पप्पू भी कहते थे। जाहिर है कांग्रेस को अपने अध्यक्ष (वह इससे पहले आधिकारिक तौर पर पार्टी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं) के लिए यह विशेषण चुभता था। लेकिन इससे छुटकारा कैसे पाया जाए, यह बड़ी समस्या थी। तब किसी 'भलेमानुस' ने सलाह दी कि राहुल गांधी से एक लंबी पैदल यात्रा करवाई जाए। यात्रा से ज्ञान बढ़ता है और लोगों से मिलने-जुलने से व्यावहारिक बुद्धि भी बढ़ती है। पैदल यात्रा सही सलामत संपन्न हो गई। तब मीडिया ने भी लिखना शुरू कर दिया कि राहुल गांधी अब 'मैच्योर' हो गए हैं। उनकी बातों से ऐसा झलकने भी लगा है। पार्टी में खुशयां छा गईं। पचास साल से भी ज्यादा उम्र हो जाने पर भी पार्टी ने अपने नेता व रहबर के 'मैच्योर' होने का भी बाकायदा सार्वजनिक रूप से जश्ननुमा उल्लास प्रकट किया। लेकिन उनमें सांसारिक व व्यावहारिक बुद्धि बढ़ी या नहीं, इस पर संदेह बरकरार रहा। व्यावहारिक आदमी या पार्टी जब किसी योजना को बनाती है, खासकर ऐसी योजना जिसका क्रियान्वयन बहुत ही मुश्किल हो, उसका तब तक खुलासा नहीं करती, जब तक उसके लिए पूरी तैयारी, साधन, सहायक इत्यादि जुटा न लिए जाएं। लगता है राहुल गांधी यात्रा के बाद भी नहीं बदले। लेकिन अब उनको पप्पू नहीं कहा जा सकता, क्योंकि पप्पू से लोग किसी बड़े काम या योजना की आशा नहीं करते। यदि कहना ही हो तो उन्हें 'भोला' कहा जा सकता है, जो बिना किसी छल कपट के अपनी सभी योजनाएं अपने विरोधियों को भी बता देता है। राहुल गांधी ने दो दिन पहले यही काम करके अपनी कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी योजना का खुलासा कर दिया। कांग्रेस ने दिल्ली में अपना पुराना दफ्तर छोड़ दिया है और अब नया दफ्तर खोला है। इस अवसर पर राहुल गांधी

ने एक सच उगल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा से लड़ रही है, आरएसएस से लड़ रही है। यहां तक तो ठीक था। सभी जानते हैं कि कांग्रेस भाजपा से लड़ रही है। चुनाव बगैरह में यह देखा ही जाता है। कांग्रेस आरएसएस से भी लड़ रही है, यह भी राहुल गांधी कोई नई बात नहीं बता रहे थे। कांग्रेस तो नेहरु के वक्त से ही आरएसएस से लड़ रही है। लेकिन उसके बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस की भीतर की तैयारी का भी खुलासा कर दिया। उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस तो 'इंडियन स्टेट' से लड़ रही है। अब कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि राहुल गांधी भोला है, किसी भी बात को छुपा कर नहीं रख पाता। जब राहुल गांधी अपनी पार्टी का यह घोषणापत्र बता रहे थे तो सामने बैठे कांग्रेस के बुजुर्ग नेता सन्नाटे में थे। सारा गुड़-गोबर कर दिया। समय से पहले ही पार्टी की अंदरूनी योजना जगजाहिर कर दी। अब लड़ाई कितनी मुश्किल हो जाएगी? दरअसल इंडिया स्टेट से की जाने वाली यह लड़ाई नई नहीं है। यह लड़ाई आठवीं शताब्दी में अरबों ने शुरू की थी। उसके बाद तुर्कों ने इसे जारी रखा। इसके बाद मुगल आए। उसके साथ ही पुर्तगालियों ने इंडिया स्टेट के खिलाफ यह लड़ाई जारी रखी। पुर्तगाल के बाद फ्रांस और ब्रिटेन ने इंडिया स्टेट के खिलाफ लड़ाई जारी रखी। 1947 में अंग्रेज कांग्रेस को सत्ता का हस्तांतरण करने के बाद यहां से चले गए। तब भारत के लोगों ने समझा था कि शताब्दियों से चली आ रही इंडिया स्टेट के खिलाफ यह लड़ाई समाप्त हो गई है। लेकिन अब इंडियन नैशनल कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने यह रहस्योद्घाटन करके सबको चौंका दिया है कि कांग्रेस तो वास्तव में इंडियन स्टेट से ही लड़ रही है। सबसे दुख की बात तो यह है कि जिस पार्टी का नाम 'इंडियन' है, वही पार्टी 'इंडियन स्टेट' से लड़ रही है। इससे तो लगता है कि पार्टी ने अपने नाम के आगे इंडियन और नैशनल जो दो शब्द लगा रखे हैं, वे आम लोगों को धोखा देने के लिए हैं। वैसे राहुल गांधी ने यह खुलासा नहीं किया कि पार्टी ने इंडियन स्टेट के खिलाफ जो लड़ाई छेड़ रखी है, वह 1947 से ही चली हुई है या फिर जब से कांग्रेस पर सोनिया गांधी परिवार का कब्जा हुआ है, तब से पार्टी ने अपना ध्येय और रास्ता बदला है। देश में और भी कई संगठन हैं जिन्होंने इंडियन स्टेट से युद्ध की घोषणा कर रखी है। उदाहरण के लिए विविध नक्सलवादी ग्रुप हैं, कुछ चरमपंथी इस्लामी संगठन, मसलन आईएसआईएस हैं। इनके अतिरिक्त 'भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार' का उद्देश्य लेकर काम करने वाले छोटे-छोटे समूह हैं। विदेशों की कुछ नाम-अनाम शक्तियों ने भी इंडियन स्टेट के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। चीन तो सीमा पर हमला ही करता है। इस पृष्ठभूमि में राहुल गांधी का रहस्योद्घाटन सचमुच चिंता पैदा करता है। इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूह व पार्टियां खुल कर काम कर रही थीं। इससे भारतीय उनका मुकाबला भी करते हैं। लेकिन अब राहुल गांधी का कहना है कि उनकी पार्टी भी इसी काम में लगी हुई है। इसलिए यह सारा मामला गंभीर हो जाता है और सरकार को बाकायदा इसकी जांच करवानी चाहिए कि कांग्रेस ने क्या इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूहों से गठजोड़ तो नहीं बना लिया है? यह तो अच्छा हुआ कि राहुल गांधी ने अपने भोलेपन में पार्टी की इस भीतरी नीति का खुलासा समय से पहले ही कर दिया, अन्यथा मामला और गंभीर हो जाता। अमेरिका में बैठे जार्ज सोरोस इंडियन स्टेट से लड़ ही रहे हैं। दो दिन के बाद भूतपूर्व हो जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने इस सोरोस को अमेरिका का सबसे बड़ा सम्मान देकर उसका कद भी बढ़ाया है। विदेशों में ऐसे कई सोरोस हैं जो भारत से दुखी हैं।

दृष्टि कोण

नई दिल्ली विधानसभा सीट पर फंस गए हैं केजरीवाल, राहुल गांधी ने मदद से किया इनकार

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है। अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए

चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा, उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे। कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट 'नई दिल्ली' से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है। अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है ? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा, जिसका सीधा-सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं।

कुछ अलग

संकट हरने वाला व्रत

प्रतिवर्ष माघ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है जिसे संकट चौथ, वक्रकुंडी चतुर्थी, तिलकुटा चौथ के नाम से भी जाना जाता है। संकष्टी चतुर्थी अर्थात संकटों को हरने वाली चतुर्थी। नारद पुराण के अनुसार प्रत्येक मास में दो चतुर्थी होती हैं और माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के व्रत का बहुत महत्त्व है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी तथा पूर्णिमा के बाद आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। इस चतुर्थी को माघी चौथ, संकट चौथ तथा तिल चौथ भी कहा जाता है। पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 17 जनवरी को प्रातः 4 बजकर 6 मिनट पर शुरू हो रही है, जिसका समापन 18 जनवरी को प्रातः साढ़े पांच बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, लम्बोदर संकष्टी चतुर्थी का व्रत 17 जनवरी को किया जाएगा। इस दिन विघ्नहर्ता और संकटों को दूर करने वाले भगवान गणेश की पूजा करने और व्रत रखने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन गणपति बप्पा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-व्रत करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस विशेष अवसर पर महिलाएं संतान की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। महिलाएं इस दिन निर्जला व्रत करके रात को चंद्रमा को अघ्र्य देकर व्रत पूर्ण करती हैं और अपने बच्चों के लिए प्रार्थना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्र देव को जल अर्पित करने से संतान को रोग नहीं होता और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह भी मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और संतान को लंबी आयु तथा अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। संतानों को सभी प्रकार की आपदाओं से बचाने के लिए यह व्रत किया जाता है। मान्यता है कि संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने से रुके हुए मांगलिक कार्य भी सम्पन्न होते हैं और इस दिन चन्द्रमा के दर्शन से भगवान गणेश के दर्शन का भी पुण्य फल मिलता है। भगवान गणेश को बुद्धि के स्वामी तथा चंद्रमा को मन का स्वामी माना गया है और इन दोनों के संयोग के परिणामस्वरूप यह व्रत मानसिक शांति, कार्यों में सफलता, प्रतिष्ठा में बुद्धि और घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर करने में सहायक सिद्ध होता है। सभी मुहूर्त ग्रंथों के अनुसार इस व्रत को सविधि सम्पन्न करने के लिए एक ही नियम है कि चंद्रमा का उदय और चतुर्थी दोनों का संयोग होना चाहिए, यानी चंद्रमा को अघ्र्य तभी दिया जा सकता है, जब चतुर्थी तिथि में चंद्रोदय हो रहा हो और चंद्र देव अघ्र्य तभी स्वीकार करेंगे, जब वे चतुर्थी तिथि में विद्यमान हों क्योंकि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन व्रत और पूजा-पाठ करने से भगवान गणेश जीवन में सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करते हैं। मान्यता है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजा-पाठ वर्ष पर्यन्त सुख-शांति और पारिवारिक विकास में सहायक सिद्ध होता है। वैसे तो भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए इस व्रत को कोई भी कर सकता है, लेकिन अधिकांशतः सुहागिन स्त्रियां ही परिवार की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं। बहरहाल, इस व्रत को करें और सुख-शांति का आशीर्वाद पाएं।

देश दुनीया से

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये। 2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू-कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब-तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने। बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़यिल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति को शांत कर लिया है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेश सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है।

आप का नजरीया

दिल्ली चुनाव में आतंकी

अफजल गुरु एक खूंखार आतंकवादी था। वह 13 दिसंबर, 2001 को भारतीय संसद पर आतंकी हमले का मास्टर माइंड था। सर्वोच्च अदालत ने बाकायदा सुनवाई के बाद उसे 'अपराधी' करार दिया और मौत की सजा सुनाई। उस दौर में एक जमात ऐसी थी, जो अफजल गुरु को माफ करने की पक्षधर थी। सार्वजनिक तौर पर ज्ञापन तैयार कर राष्ट्रपति से अनुरोध किए गए। अंततः कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए-2 सरकार के दौरान अफजल गुरु को फांसी पर लटका दिया गया। उसी के साथ वह अध्याय समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती उस आतंकवाद को 'मासूम' मानते रहे और फांसी को 'गलत फैसला' ठहराते रहे। अफजल गुरु के जिस्मानी अवशेष उसके परिजनों को सौंपने तक की पैरोकारी करते रहे। आश्चर्य और विडंबना है कि दिल्ली चुनाव में अफजल गुरु एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। क्या आतंकवाद और उसके समर्थन पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? ध्यान रहे कि बीते वर्ष से दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल के जरिए ऐसी धमकियां मिलती रही हैं, जिनमें बम विस्फोट का खौफ फैलाया जाता रहा है। दिल्ली में 400 स्कूलों को ऐसी धमकियां दी जा चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद कुछ रहस्योद्घाटन किए, जिनमें अफजल का नाम सामने आया। पुलिसिया जांच का निष्कर्ष यह है कि वे धमकियां एक नाबालिग, 12वीं कक्षा के छात्र ने दी थीं। उसने ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया, जो साइबर की महत्वपूर्ण जानकारी रखने वाला शख्स ही कर सकता था। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपित नाबालिग की पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी खंगाला, तो यह तथ्य सामने आया कि उसके पिता एक एनजीओ से जुड़े हुए हैं। एनजीओ के एक राजनीतिक दल से पुराने और प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। इस एनजीओ ने अफजल गुरु को फांसी देने का विरोध किया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के माता-पिता ने भी एक ज्ञापन पर बाकायदा दस्तखत कर फांसी की सजा का विरोध किया था। खुद आतिशी और उनके माता-पिता भी किसी एनजीओ से जुड़े रहे हैं। नाबालिग वाले एनजीओ और आतिशी परिवार के एनजीओ के बीच क्या कोई 'साझा सूत्र' है? पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का बुनियादी काम एनजीओ का ही है। उनके एनजीओ का प्रबंधन आजकल किसके हाथों में है, हमें नहीं पता, लेकिन एनजीओ के जरिए और सूचना के अधिकार के लिए केजरीवाल ने जो काम किए थे, उनके लिए उन्हें 'मैगसेसे अवार्ड' से नवाजा गया था। उसे 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' माना जाता है। सवाल है कि किसी ने ज्ञापन के जरिए अफजल गुरु या याकूब मेमन की सजा का विरोध किया हो, तो क्या वे भी आतंकी करार दिए जा सकते हैं? क्या वह उनकी 'अभिव्यक्ति की आजादी' नहीं है? यदि एनजीओ और राजनीतिक दल के बीच कोई 'आतंकी सूत्र' है, तो दिल्ली पुलिस ने उसे बेनकाब क्यों नहीं किया? राजनीतिक दल के नाम का खुलासा क्यों नहीं किया? अब भाजपा 'आप' के आतंकी सूत्रों पर सवाल उठा रही है। क्या आरोपित छात्र वाला एनजीओ और राजनीतिक दल 'आप' ही है? यह चुनाव की संवेदनशीलता का दौर है।

कांग्रेस अपने शासन में किसानों के हित में किए कोई तीन कार्य बता दें, हम 30 बताएंगे : राजकुमार चाहर

भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दी कांग्रेस को चुनौती, कांग्रेस की खिसक रही जमीन

हिसार (हिंस)। भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राजकुमार चाहर ने कांग्रेस को चुनौती दी है कि वह अपने लंबे शासनकाल के बावजूद किसानों के हित में किए गए कोई तीन कार्य बता दें, भाजपा बदले में 30 कार्य बताने को तैयार है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकारों ने किसानों के हित में सबसे ज्यादा काम किए हैं लेकिन कांग्रेस किसानों व संविधान के नाम पर राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रही है। सांसद राजकुमार चाहर शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी किसान हितैषी नहीं रही, कांग्रेस ने अपने लंबे शासन के बावजूद किसानों को फसलों का उचित मूल्य नहीं दिया, स्वामीनाथन की सिफारिशें लागू नहीं की और अब वह किसानों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकारें किसानों से हर समय वार्ता को तैयार है और किसानों को इसके लिए आगे आना

चाहिए। वास्तव में अपनी खिसकती जमीन को बचाने के लिए कांग्रेस व उसके सहयोगी दल किसानों के कंधों पर बंदूक रखकर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जितनी किसान हितैषी नीतियां लागू की है, वह एक उदाहरण है और इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। भाजपा किसान नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान सम्मान योजना लागू की गई। इसके अलावा अनेक ऐसी नीतियां बनाई गई, जिससे किसानों को फायदा मिले और वे आर्थिक रूप से मजबूत हों। उन्होंने हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां पर सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही है, जो देशभर में एक उदाहरण है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा अभी डिप्रेशन से बाहर नहीं निकल पाए हैं। वास्तव में दीपेंद्र व उनके पिता भूपेन्द्र सिंह दोनों ही मुख्यमंत्री बनने के ख्वाब देख रहे थे, जो अधूरा रह गया और अब वे डिप्रेशन में है। मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि पत्रकार वार्ता में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, प्रदेश सचिव सुरेन्द्र आर्य, जिला उपाध्यक्ष रणधीर सिंह धीरू, संजीव रेवड़ी, पूर्व मंत्री अनूप धानक, चेयरमैन सोनू डाटा, रवि सैनी, संदीप आजाद, राजेन्द्र सपड़ा, मनदीप मलिक, सरोज सिहाग, सह मीडिया प्रभारी विक्रम कासनिया, राजकुमार शर्मा व सतपाल शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नागरिकता प्रमाण पत्र पाकर खिले पाक विस्थापितों के चेहरे

जोधपुर (हिंस)। जिले में काफी समय से भारतीय नागरिकता के लिए संघर्ष करने वाले पाक हिंदू विस्थापितों को केंद्र सरकार की गाइड लाइन के हिसाब से जिला प्रशासन ने एक कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकता प्रमाण पत्र दिए हैं। जिला प्रशासन ने शुक्रवार को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति भवन में आयोजित कार्यक्रम में 45 पाक हिंदू लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिए। वहीं वहीं 29 नागरिकों को स्वीकृति प्रदान की गई। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल मौजूद व नगर निगम दक्षिण की महापौर वनिता सेठ मौजूद रही। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू होने के बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकार के निर्देश अनुसार कुल 45 लोगों को नागरिकता दी गई है। बाकी बचे हुए लोगों को जल्द ही

भारतीय नागरिकता दे दी जाएगी। नगारिकता लेने वालों ने भारत का नागरिक बनने पर खुशी जताई। उन्होंने केंद्र सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने सीएए लागू कर नागरिकता की राह आसान की। साथ ही भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे गूंज उठे। पाक हिंदू विस्थापितों ने कहा कि भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने के बाद उनका दूसरा जन्म हुआ है। उल्लेखनीय है कि जोधपुर व आसपास के क्षेत्र में हजारों की संख्या में पाक विस्थापित हिंदू रह रहे हैं, जिनको नागरिकता की जरूरत है। सीएए लागू होने के बाद इनके लिए यह प्रक्रिया काफी सरल हो रही है। सीएए के तहत 2014 से या इससे पहले से भारत में रह रहे पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को नागरिकता का प्रावधान है जिसमें कई औपचारिकताएं कम की गई है जबकि पूर्व में 12 साल का प्रावधान था, जिसमें बहुत सारी औपचारिकताएं करनी पड़ती थी, लेकिन अब ऑनलाइन प्रक्रिया से आसान हुई हैं।

भारत-पाक सीमा के पास चार पिस्टल आठ मैगजीन और 58 कारतूस बरामद

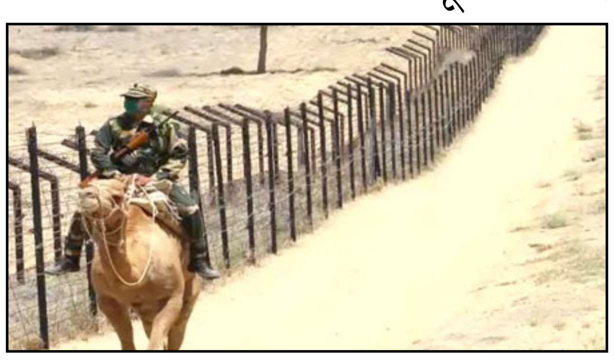

बाड़मेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को पाकिस्तान से लगती सीमा पर हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इन हथियारों में चार ग्लोबल पिस्टल, आठ मैगजीन और 58 कारतूस हैं। इसके बाद बीएसएफ ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। माना जा रहा है कि हथियार पाकिस्तान से भारतीय सीमा में आए हैं। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात तारबंदी के पास हलचल देखी गई थी। इसके बाद बीएसएफ सक्रिय हो गई। इनपुट के आधार पर बीएसएफ ने बीजराज थाना इलाके (बाड़मेर) के बीकेडी पोस्ट पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान भभूते की ढाणी के पास तारबंदी से कुछ दूरी पर रेतीले धोरों में हथियारों का जखीरा मिला। इन हथियारों में चार ग्लोबल पिस्टल, आठ मैगजीन और 58 कारतूस बरामद हुए। सीमा के पास हथियार मिलने पर बीएसएफ के आईजी राज कुमार बस्साटा और बाड़मेर एसपी नरेंद्र सिंह मीना भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद बीएसएफ और पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। साथ ही अलग-अलग खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो चुकी हैं। पुलिस जानने की कोशिश कर रही है कि यह हथियार तारबंदी पार से भारत के इलाके में कैसे आ गए।

मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान

पहली से 8वीं तक के 40 लाख बच्चों की होगी परीक्षा

जयपुर (हिंस)। शिक्षा विभाग की ओर से पहली से आठवीं तक के बच्चों की तीन विषयों की कमियों का पता लगाने के लिए अब मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (एमएसआरए) चलाया जाएगा। पूर्व कक्षा दक्षता आधारित यह आकलन हिंदी, अंग्रेजी और गणित विषयों का होगा। इसकी परीक्षा 21 से 22 जनवरी तक होगी। विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। परीक्षा के आयोजन का जिम्मा पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं बीकानेर को सौंपा गया है। यह परीक्षा 33 जिलों के आधार पर होगी। प्रश्न पत्र भी इसी तरह से वितरित होंगे। इस परीक्षा में विद्यार्थी जिस कक्षा में पढ़ाई कर रहे हैं उससे पहले वाली कक्षाओं से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। ताकि, बच्चों की पिछली कक्षा की कमियों का पता चल सके और उन्हें दूर करने के लिए विशेष प्रयास किया जा सके। पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी की ओर से जारी आदेश के अनुसार परीक्षा के बाद संबंधित शिक्षकों को शाला दर्पण शिक्षक एप पर उत्तर पत्रक स्कैन करके अपलोड करने होंगे। स्कैन करने की अंतिम तिथि 25 जनवरी रखी गई है। अभियान में तीसरी से आठवीं कक्षा तक के करीब 40 लाख विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है। तीसरी से आठवीं कक्षा के बच्चों की तीन विषयों की कमजोरी का पता करने के लिए यह परीक्षा होगी। इसमें प्रश्न पत्र हल करने की अवधि एक घंटा रहेगा। प्रत्येक विषय के पेपर में 20 सवाल होंगे। कक्षा 3 से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए प्रश्न पत्र और उत्तर पत्रक एक ही पृष्ठ पर होंगे, जबकि छठी से आठवीं तक के प्रश्न पत्र और उत्तर पत्रक अलग-अलग होंगे। प्रश्न पत्र व उत्तर पत्रक पर रफ कार्य करने पर पाबंदी रहेगी। प्रत्येक सवाल के लिए चार विकल्प होंगे। गणित विषय का पेपर द्विभाषी रूप में होगा। पिछले अभियान का नया नाम पिछली कांग्रेस सरकार के समय यह परीक्षा राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम (आरकेएसएमबीके) नाम से आयोजित की जा रही थी। अब इसका ही नाम बदलकर मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (एमएसआरए) कर दिया गया है। कई शिक्षक संगठन आरकेएसएमबीके को बंद करने की मांग कर रहे थे। लेकिन, विभाग ने बंद करने की बजाय इसका नाम ही बदल दिया।

बाबा साहब ने हमेशा देश हित में किए अच्छे काम : पाराशर

धौलपुर (हिंस)। भाजपा की धौलपुर जिला इकाई के तत्वावधान में शुक्रवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जिला स्तर पर संविधान गौरव अभियान के तहत संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में संविधान के निर्माण में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के योगदान की चर्चा की गई। मुख्य अतिथि भाजपा नेता भानु प्रताप राजावत ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा गरीबों और वंचितों को गुमराह एवं शोषण करने का काम किया है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र पाराशर ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमेशा देश हित में अच्छे-अच्छे काम किए। बाबा साहब हमारे देश के संविधान के निर्माता है। उन्होंने सर्व समाज को साथ लेकर चलने का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर अंबेडकर विरोधी होने का आरोप भी लगाया। विशिष्ट अतिथि भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक रमाशंकर शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने हमेशा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आगे लाने की बात की हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अनुसूचित समाज को हमेशा सम्मान दिया है और देश के उच्च पदों पर इस समाज के लोगों को स्थान दिया है। मंच संचालन करते हुए भाजपा जिला मंत्री हरेंद्र राव ने संविधान गौरव अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

संयुक्त किसान मोर्चा 20 जनवरी को देशभर में करेगा सांसदों का घेराव

चंडीगढ़ (हिंस)। शंभू बॉर्डर पर धरना दे रहे किसान नेता सरवण सिंह पंधेर के बाद अब संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने भी अपने अलग कार्यक्रम का ऐलान कर दिया। एसकेएम ने कहा कि आगामी 20 जनवरी को देशभर में सभी सांसदों का घेराव किया जाएगा। मोर्चा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्य संबंधित मुख्यमंत्रियों से मिलेंगे और विधानसभा में किसान-विरोधी, संघ-विरोधी राष्ट्रीय कृषि विपणन नीति रूपरेखा (एनपीएफएएम) को खारिज करने का प्रस्ताव पारित करने तथा केंद्र सरकार से इसे तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग करने का आग्रह करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर किसान संगठनों से तत्काल चर्चा करने तथा डल्लेवाल की जान बचाने की मांग करेंगे। एसकेएम 20 जनवरी को सांसदों के आवास और कार्यालय के सामने धरना देगा। उनसे प्रधानमंत्री पर दबाव बनाने का आग्रह करेगा। एसकेएम ने गांवों में किसान रैलियां/मशाल जुलूस के साथ-साथ सप्ताह भर चलने वाले अभियान चलाने का भी आह्वान किया है। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने निर्णय लिया है कि कर्मचारी भी किसानों की मांगों के समर्थन में 26 जनवरी को ट्रैक्टर/वाहन/मोटरसाइकिल परेड में शामिल होंगे। इस बीच खनौरी में जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन शुक्रवार को 53वें दिन में प्रवेश कर गया।

महाकुंभ मानवता की समग्र यात्रा का अनमोल अध्याय : चिदानंद सरस्वती

महाकुंभनगर (हिंस)। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत रविन्द्र पुरी (महानिर्वाणी) की महाकुंभ की दिव्य धरती पर स्वामी चिदानंद सरस्वती से दिव्य भेंटवार्ता हुई। महंत श्री रविन्द्र पुरी ने स्वामी चिदानंद सरस्वती का महानिर्वाणी शिविर में अभिनन्दन करते हुए कहा कि महाकुंभ का आयोजन सनातन धर्म की समृद्ध परंपराओं को जीवंत व जागृत रखने का एक अनूठा माध्यम है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि महाकुंभ धरती का एक दिव्य अनुष्ठान है, जो सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। महाकुम्भ, एकता की शक्ति का द्योतक है। यह समग्र मानवता को एकता का संदेश देता है और यह स्व से समष्टि तक जुड़ने का उत्कृष्ट माध्यम भी है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि कुंभ मेला मानवता की एक समग्र यात्रा का प्रतीक है। यह वह अवसर है जब सभी जातियों, धर्मों और पंथों के लोग एक साथ आते हैं और एकता, भाईचारे और शांति के मूल्यों को समर्पित रहते हैं। कुंभ मेला में भेदभाव, घृणा और हिंसा का कोई स्थान नहीं है। स्वामी जी ने कहा कि भारत के संगम को बनाए रखने के लिए महाकुंभ सबसे श्रेष्ठ आयोजन है। महाकुंभ देशों और दिलों को जोड़ने वाला उत्सव है। इस देश के संगम को बनाए रखने के लिए दिलों को जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। दिलों को जोड़ना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। इसलिए खुद भी जुड़े और दूसरों को भी जोड़ें। स्वामी जी ने कहा कि संगम, तोड़ने की बात नहीं करता, संगम तो जोड़ने की बात करता है। जहां सब कुछ जुड़ जाये वही तो संगम है। जहां दिल जुड़ जाते है वही तो संगम है; वही तो डुबकी है; वही तो स्नान है। वर्तमान समय में अगर हमें कुछ तोड़ना है तो जाति-पाति की दीवारों को तोड़ें, तोड़ना है। आपस की भेदभाव, ऊंच-नीच, बड़े-छोटे की दीवारों को तोड़ें और छोटी-छोटी दरारों को भरते हुए आगे बड़े यही कुंभ है, यही तो अमृत है, यही संगम है और यही तो भारत है। स्वामी जी ने कहा कि संगम है, हमारे देश का समाधान और संगम ही है इस देश का संविधान। अत: संगम को समझें और संगम को जियें। इस देश के संगम को केवल संगम के तट पर नहीं बल्कि अपने दिलों में जिंदा रखें ताकि स्वच्छता, समरसता और सद्भाव का यह संगम सदैव जिंदा रहे तथा यह देश हमेशा बुलंदियों की ऊचाईयों के शिखर पर रहे यही है संगम से संगम का संदेश, कुंभ का कुंभ को और कुंभ से संदेश।

मदन दिलावर की बड़ी घोषणा, बोर्ड परीक्षाओं के बाद होंगे शिक्षकों के ट्रांसफर

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं के बाद शिक्षकों के स्थानांतरण होंगे। प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने यह बड़ी घोषणा की है। जिले के श्री सांवलियाजी में आयोजित किए जा रहे राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन में यह बात मदन दिलावर ने कही है। दिलावर एक दिवसीय दौरे पर चित्तौड़गढ़ जिले में हैं। दोपहर में वे अतिथि के रूप में शिक्षक सम्मेलन में पहुंचे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, आरएसएस के क्षेत्रीय प्रचारक लिंबाराम भी मंच पर मौजूद रहे। इस दौरान दिलावर ने कहा कि शिक्षकों के स्थानांतरण बोर्ड परीक्षाओं के बाद होंगे। इससे इ अपना संबोधन खत्म करने के बाद मंत्री मदन दिलावर मंच पर अपनी कुर्सी पर जाकर बैठ गए। इसी दौरान पांडाल में बैठे सभी शिक्षक ट्रांसफर-ट्रांसफर के नारे लगाने लगे।

देश में मजहबी शिक्षा बंद होनी चाहिए, यह सारी समस्या की जड़ : नीरज दौनेरिया

महाकुंभ नगर (हिंस)। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि वक्फ बोर्ड लैंड जिहाद के रूप में अधिक से अधिक जमीन हथियाकर भारत को इस्लामिक स्टेट बनाने का सुनियोजित षड़यंत्र है। वक्फ बोर्ड असंवैधानिक है। देशहित में वक्फ बोर्ड समाप्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में मजहबी शिक्षा भी बंद होनी चाहिए। सारी समस्या की जड़ यही है। दौनेरिया ने शुक्रवार को हिंदुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि भारत का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ। जब हमने इतनी बड़ी भूमि का हिस्सा धर्म के आधार पर पाकिस्तान के रूप में दे दिया तो भारत में आधी इंच भी जगह इस्लाम के नाम पर नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस ने तुष्टीकरण के तहत अधिक से अधिक कानूनी शक्तियां वक्फ बोर्ड को प्रदान कीं। जो वक्फ बोर्ड अवैध संपत्तियों पर कब्जा कर रहा हो। जो देश के खिलाफ जा रहे हैं, उन्हें किस बात की सहूलियत दी जाय। इस विषय को लेकर संगठन की ओर से पूरे देश में ज्ञापन दिए गए। सरकार ने संशोधन की बात की है। बल्कि संशोधन की अपेक्षा समाप्त करना देशहित में रहेगा। दौनेरिया ने कहा कि भारत में मजहबी शिक्षा बंद होनी चाहिए। सारी समस्या की जड़

यही है। हाथ से करने वाले छोटे-छोटे कारोबार पर बड़े पैमाने पर मुस्लिम युवाओं को कब्जा है, जिसके कारण लव जिहाद बढ़ रहा है। लव जिहाद के शिकार हमारी बहन बेटियां हो रही हैं। इसलिए इलेक्ट्रिक का काम, मोबाइल की दुकान, कपड़े व हेयर सैलून का प्रशिक्षण युवाओं को दिया जा रहा है। वर्षभर में 10 से 12 हजार युवाओं को स्वावलंबी बनाने का काम बजरंग दल कर रहा है। उन्होंने बताया कि 11 व 12 फरवरी को महाकुंभ के विश्व हिंदू परिषद के शिविर में बजरंग दल की अखिल भारतीय बैठक होगी। इसमें बजरंग दल की प्रांत टोली, संयोजक, सह संयोजक, सुरक्षा प्रमुख, गोरक्षा प्रमुख, साप्ताहिक मिलन प्रमुख व बालोपासना केंद्र प्रमुख सभी प्रान्तों से आएंगे। बजरंग दल के प्रांत स्तर के दायित्वधारी कार्यकर्ता दो दिवसीय बैठक में रहकर आगामी कार्य विस्तार की योजना बनाकर स्नान कर यहां से जाएंगे। बजरंग दल के संयोजक दौनेरिया ने कहा कि सम्पूर्ण देश के अन्दर बजरंग दल ने संकल्प लिया है कि 10 हजार प्रखंडों में त्रिशूल दीक्षा कराएंगे। हिंदू युवा को शौर्यवान साहसी पराक्रमी व भारत माता की सेवा व धर्म की रक्षा का संकल्प लेकर जिएं। इसके लिए क्षेत्रीय शिक्षक वर्ग व प्रान्तीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे। इस तरह कार्यकर्ता के गुणात्मक विकास की दृष्टि से वर्ग आयोजित किए जाएंगे। हिंदू युवा नशे से कैसे बच सकता है। इसके लिए रन फार हेल्थ के कार्यक्रम किए गए हैं। हम कबड्डी के माध्यम से साहस व शौर्य का संचार करेंगे।

संविधान की रक्षा हमारी पहली जिम्मेदारी : एडीसी अंकिता

सोनीपत (हिंस)। देश के संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर सबका संविधान-सबका स्वाभिमान थीम पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत शुक्रवार को लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में सामूहिक संविधान प्रस्तावना वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान प्रस्तावना की शपथ दिलाई। अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने कहा कि सभी नागरिक भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप लोकतंत्र को सुदृढ़ करने, सामाजिक भेदभाव को दूर करने और देश की अखंडता को बरकरार रखने में अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। हम कभी भी कोई ऐसा कार्य ना करें, जिससे संविधान की भावना को ठेस पहुंचे। संविधान की पालना करना हमारा राष्ट्रीय धर्म है, जो कि सभी वर्गों की भलाई एवं न्याय दिलवाने के लिए लिखा गया था।

ज्ञानवापी के मूल वाद प्राचीन लॉर्ड आदिविश्वेश्वर मामले में पक्षकार बनने की याचिका खारिज

वाराणसी (हिंस)। ज्ञानवापी के 33 साल पुराने स्वयंभू लॉर्ड आदिविश्वेश्वर मामले में पक्षकार बनने की याचिका सिविल जज सीनियर डिवीजन युगल शंभु (फास्ट ट्रैक कोर्ट) की अदालत ने खारिज कर दिया। शुक्रवार को अदालत का आदेश आते ही मुकदमा के पहले वादी रहे स्वर्गीय सोमनाथ व्यास के भतीजे योगेंद्र नाथ व्यास और उनके परिजन को झटका लगा। 1991 के प्राचीन स्वयंभू लॉर्ड आदिविश्वेश्वर मामले में योगेंद्र नाथ व्यास ने पक्षकार बनने की अर्जी दी थी। अर्जी का विरोध वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी ने किया। वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी का तर्क रहा कि योगेंद्रनाथ व्यास ने व्यास गद्दी के व्यक्तिगत अधिकार को लेकर दावा किया है। आम हिंदू, जनता और काशी विश्वनाथ के हित को नहीं दर्शाया है। यह मुकदमा व्यास गद्दी का नहीं है। इसलिए उनके मुकदमे में योगेंद्रनाथ व्यास का पक्षकार बनने का अधिकार नहीं है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद ठोस साक्ष्य के अभाव में अर्जी को खारिज

कर दिया। योगेन्द्र व्यास के अधिवक्ता ने बताया कि अदालत के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट जाने पर विचार करेंगे। इसके पहले सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक अदालत ने हरिहर पांडेय के निधन के बाद उनके बेटों को पक्षकार बनाने के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ जिला जज की अदालत में निगरानी याचिका दायर की गई। अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई के बाद उत्तराधिकारी नहीं बनाए जाने का आदेश दिया था। इस मामले में वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी ने पक्षकार बनाए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई थी। अदालत में बहस पूरी होने के बाद न्यायाधीश ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पूर्णिया विश्वविद्यालय में वेतन कटौती को लेकर हो रहा बवाल

पूर्णिया (हिंस)। पूर्णिया विश्वविद्यालय का प्रशासनिक संकट अब दिन ब दिन गहराता जा रहा है। आउटसोर्सिंग स्टाफ के वेतन में की गई कटौती ने विश्वविद्यालय की कार्यव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। पहले से ही न्यूनतम वेतन पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए यह कटौती अब और भी आर्थिक संकट का कारण बन गई है। स्थिति को और जटिल बनाते हुए कुलसचिव की लंबी अनुपस्थिति ने समस्या के समाधान में बाधा उत्पन्न कर दी है। प्रशासनिक शून्यता का खामियाजा न केवल कर्मचारियों को बल्कि छात्रों को भी भुगतना पड़ रहा है। विशेष रूप से एडमिशन प्रक्रिया प्रभावित हुई है, जिससे नए छात्रों और अभिभावकों में असंतोष बढ़ रहा है। परिस्थितियों से आक्रोशित

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे विरोध-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस बीच छात्रों और कर्मचारियों ने राज्य सरकार और उच्च शिक्षा विभाग से हस्तक्षेप की मांग की है।

डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ 22 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 279-294 रुपये प्रति शेयर

मुंबई/नई दिल्ली

जल एवं अवसंरचना समाधान कंपनी डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 22 जनवरी, 2025 को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 279-294 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई पर 29 जनवरी को लिस्ट होगा।

कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ 22 जनवरी को सब्सिक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 24 जनवरी, 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशक इसमें 21 जनवरी को दांव लगा पाएंगे। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस ने कहा कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 50 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 50 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से 75 लाख इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। इसकी कीमत मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर 220.5 करोड़ रुपये है। कंपनी नए निर्गम से 150 करोड़ रुपये की इनकम का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जो लागू कानूनों के अधीन है।

उल्लेखनीय है कि 2016 में स्थापित डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड कंपनी जल इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण सेवाओं के क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरा है। डेन्टा वाटर्स ने 32 जल प्रबंधन परियोजनाएं पूरी की हैं।

न्यूज ब्रीफ

इरेडा, एसजेवीएन, जीएमआर और एनईए ने नेपाल में जलविद्युत परियोजना के लिए समझौता किया

नई दिल्ली। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) ने नेपाल में 900 मेगावाट की अपर करनाली जलविद्युत परियोजना के लिए एसजेवीएन लिमिटेड, जीएमआर एनर्जी लिमिटेड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौता किया है। इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और अक्षय ऊर्जा विकास में तेजी लाना है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता शुक्रवार को नई दिल्ली में इरेडा, एसजेवीएन और जीएमआर एनर्जी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस संयुक्त उद्यम समझौते में निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण (बीओओटी) मॉडल के तहत परियोजना विकास, निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए एक व्यापक रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई है। वाणिज्यिक संचालन तिथि से परियोजना की अवधि 25 वर्ष तय की गई है। इस अवसर पर इरेडा के सीएमडी प्रदीप कुमार दास ने कहा कि यह समझौता क्षेत्र में सतत ऊर्जा विकास के हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि अपर कर्णाली परियोजना, हाइड्रोपावर की विशाल क्षमता का लाभ उठाकर सीमा पार सहयोग के एक मॉडल के रूप में काम करेगी, जिससे आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों तरह के लाभ मिलेंगे।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की कीमत में भी उछाल

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ है। के कारोबार में सोना

500 रुपये से लेकर 550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,770 रुपये से लेकर 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,050 रुपये से लेकर 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आई तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एनसीएलएटी ने एटिवो में आईएफआईएन के 593 करोड़ रुपये के दावे को किया बहाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने आईएलएंडएफएस फाइनेंशियल सर्विस (आईएफआईएन) के 593 करोड़ रुपये के दावों को बहाल कर दिया है। इस फैसले से एटिवो इकोनॉमिक जोन्स की मौजूदा दिवाला समाधान प्रक्रिया में ऋणदाताओं की समिति के मतदान अधिकार भी बहाल कर दिए गए हैं। इससे पहले, कोलकाता स्थित श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस (एसआईएफएल) का हिस्सा और औद्योगिक पार्कों के विकास, प्रबंधन व विपणन के व्यवसाय में शामिल एटिवो इकोनॉमिक जोन्स के अंतरिम समाधान पेशेवर ने 12 सितंबर 2023 को आईएलएंडएफएस समूह इकाई के दावों को खारिज कर दिया था। एनसीएलएटी ने यह निर्णय लेते समय कहा कि इससे आईएफआईएन के 593 करोड़ रुपये के दावे को खारिज करने वाले 12 सितंबर 2023 के पत्र को जारी करने की आवश्यकता नहीं है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने इस निर्णय का समर्थन किया। एनसीएलएटी ने आईआरपी द्वारा 12 सितंबर 2023 का पत्र रद्द कर दिया गया है और 39.14 प्रतिशत मतदान अधिकार को एटिवो इकोनॉमिक जोन (मुंबई) प्राइवेट लिमिटेड के सीआईआरपी में बहाल किया गया है।

शेयर बाजार की तेजी का सिलसिला थमा, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की कमजोरी के बावजूद निवेशकों को 35 हजार करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट आ गई। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, टेक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर पीएसई, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आमतौर पर मिला-जुला कारोबार होता नजर आया, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 35 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 428.75 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.40 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 35 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,065 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,060 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,881 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं, 124 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,516 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,296 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,220 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 26.37 अंक की तेजी के साथ 77,069.19 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से दोपहर 11 बजे तक के कारोबार में ही ये सूचकांक 779.53 अंक की कमजोरी के साथ 76,263.29 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स के निचले स्तर से 356.04 अंक की रिकवरी करके 423.49 अंक की गिरावट के साथ 76,619.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 34.70 अंक फिसल कर 23,277.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 23,292.10 अंक के स्तर तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 11 बजे तक ये सूचकांक 211.45 अंक टूट कर 23,100.35 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से इस सूचकांक की चाल में भी सुधार आया। दिनभर की खरीद-बिक्री के बाद निफ्टी निचले स्तर से 100 अंक से अधिक की रिकवरी करके 108.60 अंक की कमजोरी के साथ 23,203.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.83 प्रतिशत, बीपीसीएल 2.51 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 2.39 प्रतिशत, कोल इंडिया 2.32 प्रतिशत और नेस्ले 2.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर इंफोसिस 5.86 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 4.52 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.71 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 2.60 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

विश्व बैंक को अगले 2 वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक ने 2025 से शुरू होने वाले अगले दो वित्त वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर सालाना 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। दक्षिण एशिया के लिए जारी वर्ल्ड बैंक के ताजा अनुमानों के मुताबिक भारत में लगातार मजबूत ग्रोथ दिखने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 से शुरू होने वाले अगले दो वित्त वर्षों यानी 2025-26 और 2026-27 के दौरान भारत की ग्रोथ रेट 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष रह सकती है। वर्ल्ड बैंक की इसी रिपोर्ट में 2024-25 के दौरान भारत के विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। भारत के आर्थिक अनुमानों के साथ ही वर्ल्ड बैंक ने इस रिपोर्ट में 2025-26 में दक्षिण एशिया में ओवरऑल ग्रोथ रेट बढ़ कर 6.2 प्रतिशत होने की उम्मीद भी जताई है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सर्विस सेक्टर में लगातार विस्तार होने की उम्मीद है। इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में भी तेजी आने का अनुमान है। खासकर, सरकार की ओर से कारोबारी माहौल में सुधार लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटीज को फायदा होगा। इसके अलावा निवेश में भी सस्टेनेबल ग्रोथ होने का वर्ल्ड बैंक में अनुमान लगाया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस दौरान प्राइवेट सेक्टर की ओर से होने वाले इन्वेस्टमेंट में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे सरकारी निवेश में आई गिरावट की भरपाई हो सकती है। वर्ल्ड बैंक की इस रिपोर्ट में 2024-25 में भारत की ग्रोथ रेट घट कर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि निवेश में गिरावट आने और मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी में कमजोरी आने की वजह से मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की ग्रोथ रेट में गिरावट आने के आसार हैं। हालांकि इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि निजी उपभोग की ग्रोथ लगातार अच्छी बनी हुई है। इसमें मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र में प्रति व्यक्ति आय में सुधार हुआ है। इसके साथ ही कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी होने के कारण भी रूरल सेक्टर में सुधार हुआ है। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024-25 के दौरान भारत को छोड़कर शेष दक्षिण एशिया में विकास दर बढ़ कर 3.9 प्रतिशत होने का अनुमान है। दक्षिण एशिया की विकास दर में सुधार आने के लिए पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान और श्रीलंका की आर्थिक स्थिति में हुए सुधार को मुख्य वजह माना गया है। हालांकि रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि 2024 के दौरान बांग्लादेश में मची राजनीतिक उथल-पुथल के कारण दक्षिण एशिया की इकोनॉमिक एक्टिविटी पर असर पड़ा हुआ है।

ट्रम्प के व्यापार प्रतिबंधों से भारतीय निर्यात को मिल सकती है चुनौतियां

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा व्यापार प्रतिबंधों की चपेट में आने के कारण भारत सहित अन्य एशियाई बाजारों में चीन द्वारा अपने निर्यात को और आक्रामक बनाने की संभावना है। एक रिपोर्ट में इस विषय पर जानकारी दी है। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय निर्यात क्षेत्र में कठिनाई आ सकती है और प्रतिस्पर्धा में बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका द्वारा चीन के ऊपर भारी टैरिफ लगाने की संभावना है जिससे चीन की अर्थव्यवस्था में प्रमुख अस्तित्वहानि हो सकती है। इसका असर उनके निर्यात से जुड़े दूसरे बाजारों, जैसे भारत पर भी हो सकता है। रिपोर्ट में भारत के व्यापारिक निर्यात की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई है। दिसंबर 2024 में भारत के व्यापारिक निर्यात में 4.8 प्रतिशत की गिरावट थी। इसका मुख्य कारण रत्न और आभूषण तथा तेल निर्यात में कमी दिखी। रिपोर्ट में उभरते चुनौतियों के बारे में सामग्री प्रस्तुत की गई है जिससे भारत के व्यापार क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों की स्थिति स्पष्ट होती है।

पीयूष गोयल ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो को बताया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटो शो

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025 के उद्घाटन अवसर पर इसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटोमोटिव शो बताया है। उन्होंने कहा कि प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में प्रधानमंत्री के विजन ने परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है। गोयल ने कहा कि भारत मोबिलिटी दुनिया को भारत की कहानी दिखा रही है। नवाचार और स्थिरता अब देश में ऑटो उद्योग का फोकस है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया, जिसमें उन्होंने दिग्गज रतन टाटा और ओसामु सुजुकी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत मोबिलिटी सेक्टर को प्रेरित करेगी। ये एक्सपो 22 जनवरी तक तीन प्रतिष्ठित स्थलों भारत मंडपम, नई दिल्ली, यशोभूमि, द्वारका और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 एक ऐतिहासिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य संपूर्ण मोबिलिटी मूल्य श्रृंखला को एक छत के नीचे एकजुट करना है। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में तीन स्थानों पर 2 लाख वर्ग मीटर का उपयोग भारत मोबिलिटी शो के लिए किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन मोबिलिटी सेक्टर का स्वरूप बदल रहे हैं, पहली बार ऑटो खरीदने वालों को ईवी खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत मोबिलिटी 2025 इंडिया स्टोरी को दुनिया के सामने पेश करता है, जो निवेश और हमारे निर्यात को बढ़ाने के लिए एक अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो ने मोबिलिटी इकोसिस्टम की वैल्यू चेन-ऑटोमोबाइल से लेकर ऑटो से जुड़े कंपोनेंट को एक ही छत के नीचे ला दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले साल तक यह एक्सपो दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो शो बन जाएगा और दुनिया के लिए ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में भी उभरेगा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपियन बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का माहौल बना रहा। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

बैंकों में अच्छे नतीजों के बावजूद टेक शेयरों में आई गिरावट के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के बाद गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 68.42 अंक की कमजोरी के साथ 43,153.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,940.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 161.89 अंक यानी 0.83 प्रतिशत टूट कर 19,349.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 43,222.62 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,391.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 160.15 अंक यानी 2.10 प्रतिशत उछल कर 7,634.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,655.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

गिफ्ट निफ्टी 132 अंक यानी 0.56 प्रतिशत टूट कर 23,256.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 271.73 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,300.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 2,523.72 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,350.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,815.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,556.82 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,052.92 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत उछल कर 7,144.04 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,248.90 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

निक पोथास ने बांग्लादेश के सहायक कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली

बांग्लादेश के सहायक कोच निक पोथास ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। 2023 में बांग्लादेश के कोचिंग स्टाफ़ में शामिल होने वाले पोथास को शुरू में मार्च 2026 तक काम करने के लिए अनुबंधित किया गया था। हालाँकि, पूर्व दक्षिण अफ़्रीकी बल्लेबाज ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पद छोड़ने का फैसला किया।

पोथास ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट कर अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, सभी अच्छी चीजों की तरह, यह भी खत्म होना चाहिए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ रहते हुए मैंने कुछ बेहतरीन लोगों के साथ शानदार समय बिताया है।

हमने इस दौरान कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इतिहास रचा है और अद्भुत यादें बनाई हैं। अब घर पर कुछ बेहतरीन समय बिताने और यह देखने का समय है कि अगला अध्याय क्या लेकर आता है।

मैं बांग्लादेश क्रिकेट के सभी लोगों को आने वाले रोमांचक वर्ष के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपको मिस करूंगा। एक दशक से ज़्यादा लंबे कोचिंग करियर में पोथास वेस्टइंडीज़ (2018-2019) और श्रीलंका (2017-2018) दोनों के लिए मुख्य कोच के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने इन टीमों के लिए सहायक कोच, फ़ील्डिंग कोच और मुख्य फ़ील्डिंग कोच के तौर पर भी काम किया है। बांग्लादेश में शामिल होने से पहले, वे हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब में विकेटकीपिंग कोच थे। अपने खेल करियर के दौरान, दाएं हाथ के बल्लेबाज़ पोथास ने तीन वनडे मैचों में दक्षिण अफ़्रीका का प्रतिनिधित्व किया और प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए क्रिकेट में 16,000 से ज़्यादा रन बनाए।

हाल ही में, बीसीबी ने मोहम्मद सलाहुद्दीन को वरिष्ठ सहायक कोच नियुक्त किया। सलाहुद्दीन ने बांग्लादेश के वेस्टइंडीज़ दौरे के दौरान बल्लेबाजी कोच के तौर पर भी काम किया।

न्यूज़ ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: चोटिल ओसाका तीसरे दौर में बेनसिक के खिलाफ हुईं रिटायर

मेलबर्न। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में महिला एकल के तीसरे दौर में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक के खिलाफ अस्वस्थ होने के कारण रिटायर हो गईं। पूर्व विश्व नंबर 1 ने पहला सेट टाईब्रेक में 6-7 (3-7) से गंवा दिया और फिर असुविधा के कारण मैच से हट गईं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को पहले सेट में 6-5 के स्कोर पर ट्रेनर से अपने पेट के इलाज की आवश्यकता पड़ी, जिसे अंततः वह अपने स्विस प्रतिद्वंद्वी से टाईब्रेक में हार गई। कुछ ही देर बाद उन्होंने बेनसिक से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चली गईं। यह 2022 के बाद पहली बार था जब ओसाका किसी ग्रैंड स्लैम में तीसरे दौर में पहुंचीं थीं। वह पिछले कुछ समय से टेनिस से दूर थीं, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक लिया और बाद में अपनी गर्भावस्था के दौरान टेनिस कोर्ट से दूर हो गईं। उनकी बेटी शाई का जन्म जुलाई 2023 में हुआ था। ओसाका ने इस सीजन की जोरदार शुरुआत की और 5 जनवरी को ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में एक टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची। हालाँकि, पेट की चोट के कारण खिताबी मुकाबले के दौरान उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में वाराणसी के रोशन मौर्य ने जीता कांस्य पदक

वाराणसी। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा में चल रहे ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में वाराणसी के रोशन मौर्य ने कांस्य पदक जीता है। एमडीयू के खेल परिसर स्थित डॉ. मंगल सेन मल्टीपर्पज हॉल में 15 जनवरी से शुरू हुए इस टूर्नामेंट का समापन 18 जनवरी को होगा। रोशन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र हैं और टूर्नामेंट में इसी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में 60 किलोग्राम भार के व्यक्तिगत कुमिते वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया है। टीम के कोच सेंसेइ अरविन्द कुमार यादव ने बताया कि रोशन मौर्य ने पहले मैच में श्री बालाजी यूनिवर्सिटी, पुणे के खिलाड़ी ओंकार मापारी को हराया। दूसरे मैच में उन्होंने तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ के खिलाड़ी आदित्य काले को हरा कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। हालांकि सेमीफाइनल में रोशन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी रिषभ से हार गए, जिससे उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ टीम के मैनेजर डॉ. राजेश प्रसाद एवं प्रभारी डॉ. अमरेंद्र सिंह हैं।

महिला प्रीमियर लीग 2025 की मेजबानी करेंगे बड़ौदा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुंबई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को बहुप्रतीक्षित टाटा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के कार्यक्रम की घोषणा की। दुनिया की प्रमुख महिला टी20 लीग का तीसरा संस्करण चार शहरों - बड़ौदा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुंबई में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट 14 फरवरी को बड़ौदा के नवनिर्मित बीसीए स्टेडियम में शुरू होगा, जहां गुजरात जायंट्स (जीजी) गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ एक हाई-ऑक्टेन सीजन ओपनर में भिड़ेगा। बड़ौदा कुल छह मैचों की मेजबानी करेगा, इससे पहले कि कार्रवाई बेंगलुरु में स्थानांतरित हो जाए, जहां आरसीबी अपना पहला घरेलू मैच 21 फरवरी को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पहले डब्ल्यूपीएल संस्करण की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ खेलेगी। आरसीबी के पास अपने घरेलू दर्शकों का मनोरंजन करने के तीन और अवसर होंगे, क्योंकि वे 24 फरवरी को यूपी वारियर्स (यूपीडब्लू), 27 फरवरी को गुजरात और 1 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की मेज़बानी करेंगे। रोमांच को और बढ़ाते हुए, लखनऊ इस सीजन में डब्ल्यूपीएल स्थल के रूप में अपनी शुरुआत करेगा, जिसमें लखनऊ की टीम 3 मार्च से अपने घरेलू मैदान पर तीन मैच खेलेगी। टूर्नामेंट का अंतिम चरण मुंबई में होगा, जिसमें प्रतिष्ठित क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) अंतिम दो लीग मैचों और दो उच्च-दांव प्लेऑफ़ खेलों की मेज़बानी करेगा। मुंबई इंडियंस 10 और 11 मार्च को क्रमशः गुजरात और आरसीबी के खिलाफ़ बैक-टू-बैक घरेलू खेलों के साथ लीग चरण का समापन करेगी। प्लेऑफ़ में वर्चस्व की लड़ाई अपने चरम पर पहुँच जाएगी, जिसमें तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें सीधे फ़ाइनल में प्रवेश करेंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : बोपन्ना झांग मिश्रित युगल के दूसरे दौर में

मेलबर्न

भारतीय स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनकी चीनी जोड़ीदार शुआई झांग ने शुक्रवार को यहां इवान डोडिग और क्रिस्टीना म्लादेनोविक पर 6-4, 6-4 की शानदार जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन मिश्रित युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष युगल से जल्दी बाहर हुए पूर्व विश्व नंबर 1 भारतीय ने झांग के साथ अपना कौशल दिखाया, और एक घंटे और 12 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। प्री-क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना और झांग का सामना अमेरिका के टेलर टाउनसेंड और मोनेगास्क के ह्यूगो निस की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी और मैडिसन इंगलिस और जेसन कुबेर की वाइल्ड कार्ड ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

इंडो-चाइनीज जोड़ी ने मजबूत शुरुआत करते हुए शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि क्रोएशियाई डोडिग और फ्रांसीसी महिला म्लादेनोविक ने झांग की सर्विस तोड़कर अंतर को 3-2 से कम कर दिया, लेकिन बोपन्ना दबाव में डटे रहे और पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

दूसरे सेट की शुरुआत दोनों जोड़ियों के कड़े मुकाबले में ब्रेक के आदान-प्रदान के साथ हुई।

3-4 से पिछड़ने पर, इंडो-चाइनीज जोड़ी ने डोडिग और म्लादेनोविक की गलतियों का फायदा उठाया, जिसमें दो महंगे डबल फॉल्ट भी शामिल थे। उन्होंने अगले दो गेम जीतने का साहस बनाए रखा, जिसमें झांग और बोपन्ना ने स्थिर सर्विस और तेज फोरहैंड प्रदर्शन के साथ एक-दूसरे का साथ दिया।

जबकि डोडिग और म्लादेनोविक ने पूरे मैच में 17 ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन महत्वपूर्ण अवसरों को भुनाने में उनकी विफलता उनके लिए महंगी साबित हुई। दूसरी ओर, बोपन्ना और झांग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने नौ ब्रेक प्वाइंट में से पांच को भुनाया।

डोडिग/म्लादेनोविक की तुलना में इंडो-चाइनीज जोड़ी ने निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए 48 में से 31 सर्विस प्वाइंट जीते, जबकि रिटर्न के मामले में वे कुशल रहे और अपने विरोधियों के 48 में से 17 रिटर्न प्वाइंट की तुलना में 34 में से 10 रिटर्न प्वाइंट जीते।

बोपन्ना और झांग ने चार वॉली विनर्स के साथ नेट पर अच्छा प्रदर्शन किया और चार पासिंग शॉट लगाने में सफल रहे। उनकी ग्राउंडस्ट्रोक सटीकता स्पष्ट थी, जिसमें उन्होंने तीन फोरहैंड विनर्स लगाए, जबकि डोडिग/म्लादेनोविक असफल रहे।

बोपन्ना ने 2023 में सानिया मिर्जा के साथ फाइनल में जगह बनाई थी और वह इस बार हार की भरपाई करना चाहेंगे।

मैथ्यू एब्डेन के साथ 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला बड़ा युगल खिताब जीतने के बाद बोपन्ना युगल में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बन गए, 43 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

राजकोट से केन्या होते हुए खो-खो विश्व कप तक दिलचस्प रही है डॉ. हिरेन पाठक की यात्रा

नई दिल्ली

इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में चल रहे उद्घाटन खो-खो विश्व कप में केन्या का प्रतिनिधित्व कर रहे डॉ. हिरेन पाठक की यात्रा प्रेरणादायक और दिलचस्प है। राजकोट से शुरू हुआ यह सफर उन्हें केन्या ले गया और अब विश्व कप के लिए राजधानी दिल्ली पहुंचा है।

डॉ. हिरेन, जो एक चिकित्सक होने के साथ-साथ खेल प्रेमी भी हैं, ने अपनी यात्रा के बारे में कहा, हम भारतीय खेल खेलते हुए बड़े हुए हैं और खो-खो उनमें से एक है। करीब दो दशक पहले डॉ. हिरेन अपने परिवार के साथ केन्या चले गए, जब उनके पिता को वहां रोजगार मिला।

केन्या में भारतीय खेलों के प्रचार-प्रसार में हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, मैं 20 साल पहले खो-खो से जुड़ा था। एचएसएस ने भारतीय खेलों के लिए अभ्यास के क्षेत्र और सहायता प्रदान की। हम कबड्डी और अन्य पारंपरिक खेल भी खेलते हैं। हालांकि शुरुआत में औपचारिक टूर्नामेंट नहीं होते थे, लेकिन हमने खो-खो को जिंदा रखा।

केन्या में खो-खो को औपचारिक रूप से 2020 में संरचित ढांचा मिला। वहां की काउंटियों की प्रणाली ने होनहार खिलाड़ियों की पहचान और टीम चयन को आसान बनाया। डॉ. हिरेन बताते हैं, काउंटियों से खिलाड़ियों की पहचान कर टीम बनाई गई। छोटे क्लब उभर रहे हैं, जो खेल को बढ़ावा देंगे। उद्घाटन विश्व कप में शामिल होने पर डॉ. हिरेन ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, यह पहला खो-खो विश्व कप है, और हम इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। यह अनुभव अद्भुत है।

यह विश्व कप खेल के प्रति समर्पण का जश्न मनाने का एक अद्वितीय अवसर बन गया है, जहां विभिन्न देशों के खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में महिलाओं के युगल मुकाबले में भाग लेती हुई जियू यीफान व यांग जोएकसन।

साकिब महमूद को इंग्लैंड के भारत दौरे के लिए मिला वीजा

नई दिल्ली

साकिब महमूद को आखिरकार भारत में इंग्लैंड की आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए अपना वीजा मिल गया है, जिसका अर्थ है कि वह बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच से पहले शुक्रवार को टीम के साथ कोलकाता जा सकेंगे। पाकिस्तानी मूल के महमूद को यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में देरी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वे संयुक्त अरब अमीरात में इंग्लैंड के प्रशिक्षण शिविर में भाग नहीं ले सके। हालांकि आदिल राशिद और रेहान अहमद को पहले ही अपना वीजा मिल गया था।

लंकाशायर के इस तेज गेंदबाज को पहले भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा था, जब 2019 में इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी। 2024 में, वीजा की धीमी प्रक्रिया के कारण इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर शोएब बशीर भी हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहला टेस्ट मैच चूक गए थे।

महमूद को भारत दौरे से पहले अबू धाबी में तेज गेंदबाजी सलाहकार जेम्स एंडरसन के नेतृत्व में एक तेज गेंदबाजी शिविर में भाग लेना था, जिसमें जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

27 वर्षीय महमूद ने नवंबर में कैरिबियन में इंग्लैंड की टी20आई सीरीज के दौरान 10.55 की औसत से नौ विकेट लिया था, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट कैप सहित सभी प्रारूपों में 29 प्रदर्शनों के साथ, महमूद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम को प्रभावित करने के लिए उत्सुक होंगे जो अब इंग्लैंड की रेड- और व्हाइट-बॉल टीमों के प्रभारी हैं।

फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : भारत ने पाक को 5 विकेट से हराया

कोलंबो

फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत का अपराजेय क्रम गुरुवार को चौथे दिन पाकिस्तान पर 5 विकेट की जीत के साथ जारी रहा। यह मैच एफटीजेड क्रिकेट ग्राउंड, कटुनायके में आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय टीम ने एक और उल्लेखनीय जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 138/5 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जीतेंद्र वी.एन. ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि नरेंद्र मंगोर और सनी ने एक-एक विकेट लेकर टीम का बहुमूल्य साथ दिया। सैफ उल्लाह ने 51 गेंदों पर 58 रनों की ठोस पारी खेलकर पाकिस्तान की पारी को संभाला। भारत की ओर से राजेश कन्नूर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 52 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रनों की शानदार नाबाद पारी खेली और भारत को 18 ओवर में 141/5 का स्कोर बनाने में मदद की। नियमित अंतराल पर विकेट खोने के बावजूद, कन्नूर के संयमित रवैये ने सुनिश्चित किया कि टीम आसानी से लक्ष्य तक पहुँच जाए। उनके असाधारण प्रदर्शन ने उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिलाया। स्वयम की संस्थापक-अध्यक्ष स्मिनू जिंदल ने कहा, इस टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन असाधारण रहा है। प्रत्येक मैच उन क्रिकेटरों की क्षमता को दर्शाता है जो चुनौतियों से ऊपर उठते हैं और जुनून के साथ प्रदर्शन करते हैं।

डीसीसीआई के साथ हमारी साझेदारी खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, और टीम की सफलता दर्शाती है कि जब अवसर सुलभ हों तो क्या संभव है। उनकी उपलब्धियाँ देश भर में अनगिनत व्यक्तियों को प्रेरित करेंगी। मैन ऑफ़ द मैच राजेश कन्नूर ने कहा, मैं जीत में अहम भूमिका निभाकर रोमांचित हूँ। इस टूर्नामेंट में टीम की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे गेंदबाजों ने पाकिस्तान को रोकने का शानदार काम किया, जिससे हमें लक्ष्य का पीछा करने के लिए ध्यान केंद्रित करने का आत्मविश्वास मिला। मैं बस शांत रहना चाहता था, अपने शॉट्स चुनना चाहता था और टीम को जीत दिलाना चाहता था। हर खेल आगे बढ़ने और अपनी स्थिति को मजबूत करने का एक अवसर है, और मैं इस फॉर्म को जारी रखने के लिए उत्सुक हूँ। भारतीय कप्तान विक्रांत केनी ने कहा, हमारा प्रदर्शन इस टीम की ताकत और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। पाकिस्तान को नियंत्रण में रखने में जीतेंद्र की गेंदबाजी अहम रही और राजेश की बल्लेबाजी बेहतरीन रही। उनकी पारी ने न केवल लक्ष्य का पीछा करने में हमारी मदद की बल्कि हमें आत्मविश्वास के साथ खेल खत्म करने की गति भी दी। टीम इस जीत की लय को बनाए रखने के अपने लक्ष्य को लेकर एकजुट है और हम आगे की चुनौतियों को लेकर उत्साहित हैं। लगातार चार जीत के साथ भारत ने खुद को चैंपियनशिप के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर लिया है।

पहनावा

यदि हील्स पहनने से होती है परेशानी, तो आजमाएं ये 5 टिप्स

आजकल कई महिलाएं ऊंची हील्स के सैंडल पहनती हैं. दिन में कई घंटे वे ऐसे सैंडल पहने रहती हैं. लेकिन, ऊंची हील्स के सैंडल आपके शरीर पर काफी बुरा असर डालते हैं. लगातार ऐसी हील्स के सैंडल पहने रखने से पैरों में काफी दर्द हो सकता है.

हील्स पहनने से पैरों पर नाहक ही दबाव पड़ता है. इसके साथ ही पंजे की नाजुक मांसपेशियां भी इससे प्रभावित होती हैं. एक शोध के मुताबिक हर तीसरी महिला को लगातार हील्स पहने रखने के कारण कमर, घुटने और पैरों की स्थाई समस्या हो गई है.

नंगे पैर चलें

हील्स को भूल जाइए और वीकएंड पर अपने पैरों को आराम दीजिए. जब भी संभव हो नंगे पैर चलिए. पैरों को जमीन पर रखकर चलिए. घास पर नंगे पैर सैर कीजिए. इससे आपके पैरों की सूजन कम हो जाएगी.

पानी में डुबोएं पैर

सप्ताह भर की थकान के बाद आपके पैरों को आराम चाहिए. आप अपने पैरों को टब में गर्म पानी में अच्छी तरह भिगोकर रखें. अगर आपको छाले हैं, तो हो सकता है कि आपको थोड़े समय के लिए तकलीफ होगी.

छालों का करें इलाज

खुले जख्म आपके लिए अच्छे नहीं. उन जख्मों पर एंटीसेप्टिक क्रीम लगाएं. इससे छालों में संक्रमण होने का खतरा कम हो जाएगा. किसी भी फफोले को न फोड़े कुछ समय बाद वे अपने आप ही समाप्त हो जाएंगे. हाला कि, आपका दिल ऐसा किया जाने को मचल रहा होगा, लेकिन खुद पर काबू रखिए.

इंतजार करें

बेशक, आपके पास बेहद खूबसूरत जूते हैं, जिन्हें आप पहनना चाहती हैं. लेकिन, कुछ समय इंतजार कीजिए. जल्दबाजी करने से आपकी समस्या बढ़ सकती है. तो आराम से काम करें.

पैरों की मसाज

यह पैरों की तकलीफ से राहत पाने का बहुत अच्छा तरीका है. स्पा में जाकर पैरों की मसाज करवाइए. विशेषज्ञ मसाज करने वाला आपके पैरों की मांसपेशियों को तकलीफ कम हो जाती है.

सर्दियों में बच्चों को खिलाएं लहसुन

सर्दी के मौसम में बच्चे बहुत जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। इसका कारण बार-बार ठंड़ लगना और कमजोर इम्यूनिटी का होना भी हो सकता है। बच्चे को पौष्टिक आहार देकर उसकी शारीरिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। जिससे बच्चों में रोगों से लड़ने शक्ति मजबूत होगी और बीमारियों से भी बचाव रहेगा। पौष्टिक आहार में एक है लहसून, जिसे खाने से बच्चे कतराते हैं, सर्दियां शुरू होने पर बच्चे के गले में लहसून बांध देने से भी बीमारियों से बचाव रहता है। आइए जाने लहसून के फायदे।

सर्दियों में बच्चों को खिलाएं लहसुन मिलेंगे कई लाभ

प्रतिरोधक क्षमता मजबूत-बच्चे को बहुत जल्दी सर्दी और जुकाम हो जाता है तो सूप में लहसून डालकर बच्चे को पिलाएं। इससे शरीर मे सर्दी का असर कम हो जाता है।

पेट दर्द: पेट में गैस बन जाने पर भी बच्चे की तबीयत खराब हो जाती है। इससे बचने के लिए लहसून और शहद को मिक्स करके खिलाएं।

पेट के कीड़े : छोटे बच्चे के पेट में कीड़े जल्दी पनपने लगते हैं। आंतों में पैदा होने वाले कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए बच्चे को लहसून खाने के लिए दें।

छोटे बच्चे के पेट में कीड़े :सर्दियां शुरू होने पर बच्चे के गले में लहसून बांध देने से भी बीमारियों से बचाव रहता है।

इंफैक्शन से बचाव मौसम में आए बदलाव के कारण बच्चे जल्दी इंफैक्शन का शिकार हो जाते हैं। इस तरह के बैक्टीरिया से छुटकारा पाने के लिए खाने में लहसून का इस्तेमाल करें। इसमें मौजूद फाइटोकैमिकल्स आंतों में पनपने वाले बैक्टीरिया को भी खत्म करते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए जरूर खाएं ये 6 फूड्स

पहले के जमाने में बुजुर्ग लोगों की ही आंखें कमजोर होती थी। लेकिन आज, ऐसा कुछ है जिसके कारण युवा पीढ़ी भी इस समस्या से जूझ रही है। इसका मुख्य कारण कम्प्यूटर, मोबाइल और टीवी पर ज्यादा समय बिताना है। आजकल, कम उम्र में ही चश्मा लग जाता है। इसके कारण पैरेंट्स को चिंता रहती है और वे ऐसे प्राकृतिक तरीकों की तलाश में रहते हैं जिससे कि आंखों की रोशनी बढ़े।

अब इसके लिए सबसे पहले खानपान पर ध्यान देना जरूरी है। इसलिए आहार ऐसा ले जिससे आंखों की रोशनी बढ़े। जानिए ऐसे ही 6 फूड्स के बारे में जो यह काम कर सकते हैं।

आंवला

आंवला आंखों के लिए वरदान है। इसमें मौजूद तत्व आंखों की रोशनी को सालों-साल तक बनाए रखते हैं। आप कच्चे आंवले को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा सुबह खाली पेट आंवले का रस पीना या फिर आंवले का मुरब्बा खाना भी फायदेमंद रहेगा।

बादाम का दूध

सप्ताह में कम से कम तीन बार बादाम का दूध पिएं। इसमें विटामिन ई होता है जो कि आंखों में किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए फायदेमंद है। इससे त्वचा में भी निखार आता है। अगर आप चाहें तो एक चिमटी हल्दी भी डाल सकते हैं।

गाजर

गाजर का ज्यूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही साथ ही आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रोजाना एक गिलास गाजर का ज्यूस पीने से आंखों पर चढ़ा चश्मा तक उतर सकता है।

हरी सब्जियां

अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा पायी जाती है, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी है।

मेवे

मेवा खाने से हाई विटामिन मिलता है जो कोलेस्ट्रॉल को लो रखता है और सेलुलर मेम्बरेन में स्थिरता बनाए रखता है।

साथ ही यह लीवर में से विटामिन ए को आंखों के प्रयोग के लिये इस्तेमाल करने के लिये उसे बाहर निकालता है।

अंडे

अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, सल्फर, लैक्टिन, ल्युटिन, सिस्टीन और विटामिन बी2 होता है। विटामिन बी सेल के कार्य करने में महत्वपूर्ण होता है।

रिलेशन

थकान दूर करने के लिए ये 5 चीजें खाएं..

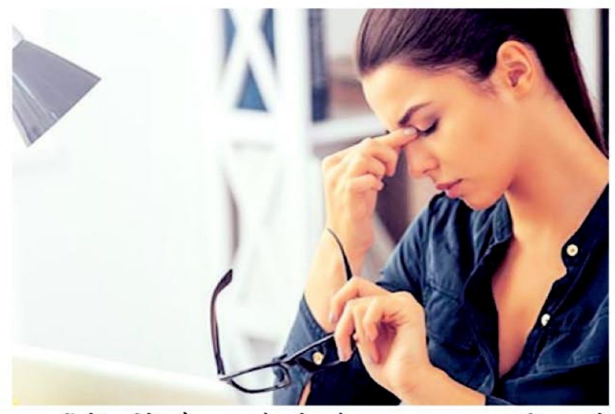

गर्मी में पसीने और काम के लोड के कारण जब आप पूरी तरह से थककर चूर हो जाते हैं और आपमें काम करने की बिल्कुल भी ताकत नहीं होती तो क्या किया जाए..? तो ये 5 चीजें खाएं और अपनी थकान को 5 मिनट में दूर करें।ओटमील-शरीर तब थकता है जब आपके शरीर में बिल्कुल एनर्जी नहीं रहती। लेकिन बैठे-बैठे अनाज का सेवन भी करना सही नहीं। ऐसे में ओटमील खाएं। इसमें विटामिन बी1, फॉस्फोरस, प्रोटीन और मैगनीशियम प्रचूर मात्र में होता है जो आपके शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें काफी मात्र में फाइबर व काबरेहाइड्रेट भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

अखरोट और अंजीर

थकान दूर करने के लिए अखरोट और अंजीर एक बेहतर उपाय है। अखरोट में प्रचूर मात्र में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है और अंजीर में नैचुरल शुगर होता है। इन दोनों को साथ में खाने से शरीर को जरूरी मात्र में ऊर्जा प्राप्त होती है जिससे शरीर फिर से ऊर्जावान महसूस करता है। थकावट का सबसे ज्यादा एहसास तब होता है जब शरीर पूरी तरह से एक्जॉस्ट हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे आपका दिमाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। ऐसे में मीठे तरबूज का सेवन करें। तरबूज से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी और शरीर पूरी तरह से हाइड्रेट हो जाएगा। साथ ही इसमें नैचुरल शुगर होता है जिससे शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है।

कद्दू के बीज

आप ऑफिस में तरबूज नहीं खा सकते। ओटमील भी नहीं हो और अखरोट व अंजीर तो काफी महंगे होते हैं.. ऐसे में क्या किया जाए? ऐसे में कद्दू के बीज हमेशा अपने साथ रखें। इसमें प्रचूर मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं जिससे शरीर को तुरंत पोषकतत्व प्राप्त होते हैं जिससे शरीर को झट से एनर्जी मिलती है।

अदरक वाली चाय

थकान दूर करने का सबसे सस्ता और आसान उपाय है- अदरक वाली चाय। अदरक से आपकी नींद और थकान हट जाएगी। चाय में मौजूद कैफीन से आपको ताजगी महसूस होगी और चीनी से एक्जॉस्ट हुई ऊर्जा मिल जाएगी।

तरबूज

थकावट का सबसे ज्यादा एहसास तब होता है जब शरीर पूरी तरह से एक्जॉस्ट हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे आपका दिमाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। ऐसे में मीठे तरबूज का सेवन करें। तरबूज से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी और शरीर पूरी तरह से हाइड्रेट हो जाएगा

ओटमील

शरीर जब थकता हैं जब आप के शरीर के एनर्जी नहीं होती हैं लेकिन बैठे-बैठे अनाज सेवन भी करना सही नहीं। ऐसे में ओटमील खाएं। इसमें विटामिन बी1, फॉस्फोरस, प्रोटीन और मैगनीशियम प्रचूर मात्रा में होता है जो आपके शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें काफी मात्रा में फाइबर व कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए अपनाएं ये 'वास्तु टिप्स'

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ वह अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। उसका विजन और माइंडसेट क्लियर हो कि उसे भविष्य में क्या करना है। अगर आपका बच्चा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है। वह खुद भी अपने प्रयासों से पर्याप्त खुश नहीं हो रहा है तो ऐसे में उसकी प्रगति और विकास के लिए आप वास्तु की मदद भी ले सकते हैं। यह सच है कि पेरेंट्स बनने के बाद से ही बच्चों के भविष्य की चिंता हर किसी को सताने लगती है। मन में ढेरों सवाल उठते हैं कि किस तरह से हम अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। कैसे हम उसे सर्वश्रेष्ठ करियर चुनने के लिए प्रेरित करें। कई बार सबकुछ ठीक होते हुए भी, पढ़ाई में कुशाग्र होने के बावजूद बच्चे अपनी पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाते हैं।

क्या आप चिंतित हैं बच्चों के भविष्य को लेकरङ्क भविष्य को लेकर वह हमेशा असमंजस की स्थिति में रहता है। पढ़ने बैठता है तो ध्यान सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर या दोस्तों की तरफ जाता है। एकाग्रता की कमी है और स्पष्टता का भी अभाव है। किसी से बात करते हुए हिचकिचाता है। अपने पेरेंट्स की बात नहीं सुनता।

ये हो सकते हैं कारण

उसके कमरे की दक्षिण-पश्चिम दिशा में गेम या खेलकूद का सामान रखा होना इसकी वजह हो सकता है। स्टडी के जोन में दोस्तों के साथ मस्ती की तस्वीरों का होना। उसकी स्टडी टेबल मनोरंजन के जोन माने जाने वाले पूर्व या उत्तर-पूर्व में होना। बच्चे का कमरा दक्षिण-पश्चिम में स्थित होना। उत्तर-पूर्व कटा होना या लाल रंग का होना। कमरे का पश्चिमी कोना कटा होना। अग्नि तत्व का व दक्षिण जोन का असंतुलित होना।

उपायों पर करें अमल

वास्तुशास्त्र में हर कार्य के प्रतिपादन के लिए अलग दिशा क्षेत्र है। बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए इन वास्तु के उपायों पर अमल करें।

अगर आपके बच्चे का विजन क्लियर नहीं है, तो आप उसका कमरा उत्तर-पूर्व में बनाएं। यहां रहने से मन में नए विचार आते हैं। बच्चा अपनी बात को किसी के भी समक्ष स्पष्टता से प्रस्तुत कर पाता हैं यहां रहने से उसकी सम्प्रेषण क्षमता बढ़ने के साथ-साथ उसका विजन क्लियर रहता है।

साथ ही हंस पर विराजमान सरस्वती माता का चित्र भी लगाएं।

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि उसकी कम्यूनिकेशन स्किल बेहतर हो। जब भी वह पूर्व जोन में वाद-विवाद की प्रैक्टिस करेगा तो उसकी कम्यूनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

उसके कमरे में दक्षिण-पश्चिम में गेम्स, दोस्तों की तस्वीरें या फिर मनोरंजन का कोई अन्य सामान रखने से परहेज करें। यहां पर जो भी सामग्री होगी उसी ओर उसका ध्यान केंद्रित होगा। इसीलिए उसकी रुचि व विषय से संबंधित चीजों को इस जोन में रखें।

कमरे की सजावट

उनके कमरे के पर्दों का रंग भी हरा, नीला या फिर पीला रखें।

उत्तर-पूर्व में उसके पसंदीदा विषय से जुड़ी कोई तस्वीर लगाएं।

बच्चों का बेड लगाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि उसका सिर शौचालय की ओर न हो। शौचालय अपशिष्ट पदार्थों के विसर्जन की जगह है इस ओर सिर करके सोने से बच्चे का ध्यान पढ़ाई से हट जाता है।

उनकी स्टडी टेबल इस तरह रखी होनी चाहिए कि पढ़ते समय उनका मुख पूर्व दिशा में ही रहे।

सोते समय पैर दक्षिण की ओर न करें। कमरे की दीवारों पर हल्के रंगों जैसे हरा, नीला या फिर हल्के पीले या ऑफ वाइट कलर का पेंट करवाना चाहिए।

अपने बच्चों को पढ़ाई में होशियार बनाने के लिए घर की उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है अतः इस दिशा में पृथ्वी की प्रतिमा रखने से शिक्षा एवं ज्ञान का संचार होता है।

रेसिपी

मिर्ची का सालन

सामग्री

नारियल, तिल के बीज, मूंगफली: 2 बड़े चम्मच, प्याज- 70 ग्राम, पानी: 220 मिलीलीटर,हरी मिर्च : 100 ग्राम, तेल: 3 बड़े चम्मच, तेल- 110 मिलीलीटर लहसुन- 1 छोटा चम्मच, सूखी लाल मिर्च : 4-5,कलौंजी: 1/4 छोटा चम्मच, मेथी के बीज: 1/4 छोटा चम्मच,सरसों के बीज: 1 छोटा चम्मच, करी पत्ता: 6-8, अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 बड़ा चम्मच, हल्दी: 1/2 छोटा चम्मच, जीरा : 1 छोटा चम्मच,धनिया पाऊडर : 1/2 छोटा चम्मच, नमक: स्वादानुसार, इमली का गूदा: 130 ग्राम

विधि

एक पैन को मध्यम आंच पर रखें। इसमें 2 बड़े चम्मच मूंगफली, 2 बड़े चम्मच तिल के बीज, 2 बड़े चम्मच नारियल डालकर 2-3 मिनट तक फ्राई करें। एक अन्य पैन में मध्यम आंच पर 70 ग्राम प्याज डालकर भून लें। इसके बाद इस मिश्रण को एक बाउल में निकालकर इसमें 110 मिलीलीटर पानी डालें और इसे अच्छे से ब्लेंड कर लें। अब 100 ग्राम हरी मिर्च लें और इसे लंबाई में काट लें। ध्यान रहे कि मिर्च टूटे नहीं। मध्यम आंच पर एक पैन में 110 मिलीलीटर तेल डालकर गर्म करें और इसमें हरी मिर्च को 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। एक अन्य कड़ाही में 3 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। फिर इसमें 1 छोटा चम्मच लहसुन, 4-5 सूखी लाल मिर्च, 1/4 छोटा चम्मच कलौंजी, 1/4 छोटा चम्मच मेथी के बीज, 1 छोटा चम्मच सरसों के बीज और 6-8 करी पत्ता डालकर 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। फिर इसमें 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी डालकर ब्लेंड कर लें। बाद में इसमें 1 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, छोटा डेढ़ चम्मच नमक, 130 ग्राम इमली पल्प और हरी मिर्च डालकर 4-5 मिनट तक पकाएं। आपका हैदराबादी मिर्ची का सालन तैयार है। इसे गर्मा-गर्म परोसें।

चीज मीटबॉल मम्मी

सामग्री

मीटबॉल- 18 (पके हुए) पिज्जा क्रस्ट आटा- 1 रोल

बेम्बू स्वीकर्स

ब्लैक ऑलिव- 8

क्रीमी चीज- 2 टेबलस्पून पास्ता सॉस

विधि

सबसे पहले मीटबॉल को बेम्बू स्टिक के चारों तरफ अच्छी तरह से रेप कर दें। इसके बाद पिज्जा क्रस्ट को कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें। पिज्जा क्रस्ट को फ्रिज में से निकाल कर द इंच कर काट लें। अब इसे आंखो की जगहें छोड़ते हुए मीटबॉल के पर लपेट दें। इसमें से बेम्बू स्टिक को निकाल कर बेंकिग शीट रख दें। अब इन मम्मी को 350 डिग्री तक 22 मिनट के गोल्डन बाउन होने तक लिए बेक करें। इसके बाद इसे ओवन से निकाल कर ठंडा होने दे। क्रीमी चीज को फॉस्टिंग बैग में डालकर इसकी आंख वाली जगहें पर लगा कर उसके उपर से ब्लैक ऑलिव लगाएं। इनमें से कुछ ऑलिव को काट कर बेम्बू स्टिक में लगा दें। इन्हें प्लेट में लगा कर बेम्बू स्टिक ऑलिव से डेकोरेट करें। आपकी चीज मीटबॉल मम्मी बन कर तैयार है। अब आप इसे पास्ता सॉस के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**